अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com | उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र | आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 332 | लखनऊ, शनिवार, 21 जून 2025 | पृष्ठ: 8 | मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

राम मंदिर का संपूर्ण कार्य अक्टूबर 2025 में पूरा हो जाएगा : चंपत राय

अयोध्या। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने राम मंदिर के निर्माण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राम मंदिर का निर्माण कार्य पूरा होने की तरफ है। राम मंदिर का संपूर्ण निर्माण कार्य अक्टूबर 2025 में पूरा हो जाएगा। चंपत राय ने शुक्रवार को अन्तरराष्ट्रीय मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता में बताया कि सभी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। मंदिर परिषर में लगभग 20 प्रतिशत बाकी निर्माण कार्य चल रहा है। अक्टूबर में निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। मंदिर परिसर में फिनिशिंग वर्क चल रहा है। फिनिशिंग होने के बाद मशीनों को ऊपर से नीचे लाया जाएगा। उसके पश्चात राम मंदिर में सफाई अभियान शुरू होगा। राम मंदिर के परिसर में सुरक्षा की दीवाल को बनाने में 1 वर्ष लगेंगे।

जीएसटी पंजीयन और शिकायत निवारण को सरल बनाये: सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) को माल एंव सेवा कर (जीएसटी) पंजीयन और शिकायत निवारण को सरल बनाने, सीमा शुल्क और सीजीएसटी मामलों की जांच को तेजी से पूरा करने, कर चोरी और गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावों की रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए कहा। श्रीमती सीतारमण ने यहां सीबीआईसी के प्रधान मुख्य आयुक्तों, मुख्य आयुक्तों और महानिदेशकों के सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुये ये बातें कही।

ईडी ने सतिंदर भसीन की 27 करोड़ की आवासीय संपत्ति कुर्क की

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) लखनऊ की टीम ने शुक्रवार को भसीन इन्फोटेक एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के मामले में पीएमएलए, 2002 के तहत सतिंदर सिंह भसीन की 27.01 करोड़ रुपये की आवासीय संपत्ति को अनंतिम रूप से कुर्क किया है। ईडी कार्यालय के अनुसार सतिंदर सिंह भसीन की संपत्ति का वर्तमान बाजार मूल्य 44 करोड़ रुपये के करीब आंका गया है। इस संपत्ति को रियल एस्टेट परियोजनाओं में निवेश के नाम पर जनता को धोखा देने से संबंधित एक मामले में अपराध की आय के बराबर मूल्य के रूप में कुर्क किया गया है। वहीं एक दूसरे मामले में ईडी लखनऊ ने शाइन सिटी समूह व अन्य के पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत इलाहाबाद निवासी मोहम्मद जावेद की 55.07 लाख रुपये मूल्य के बैंक बैलेंस के रूप में संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क किया है।

इंफ्रास्ट्रक्चर की गति बढ़ेगी तो आएगी समृद्धि : योगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- मुख्यमंत्री योगी ने किया गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट (ढांचागत विकास) की गति बढ़ेगी तो प्रगति भी तेजी से होगी। प्रगति तेज होने पर समृद्धि अपने आप आएगी। समग्र विकास के लिए आवश्यक है कि उसके अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर का तेज गति से विकास किया जाए।

सीएम योगी शुक्रवार को रोड इंफ्रास्ट्रक्चर का उत्कृष्ट उपहार देने के सिलसिले को जारी रखते हुए 7283.28 करोड़ रुपये की लागत से बने 91.35 किमी लंबे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के अवसर पर भगवानपुर टोल प्लाजा पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के विकसित देशों का विकास उनके बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर की ही देन है। 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान दिया गया, उसका ही परिणाम है कि यूपी अब बीमारू राज्य की बदनामी से उबरकर इमर्जिंग स्टेट के रूप में पहचाना जा रहा है। देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बनकर अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने 2017 के पहले के उत्तर प्रदेश की दशा का उल्लेख करते हुए कहा कि तब उत्तर प्रदेश में विकास की बात तो दूर थी, यहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव था। गरीब कल्याण की योजनाओं का लाभ पात्रों को नहीं मिलता था। परम्परागत उद्यम बंदी के कगार पर थे। एक जिला एक माफिया पिछली सरकारों की देन थी। तब विकास की योजनाओं में बंदरबांट और माफिया का वर्चस्व था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में 2017 के बाद का उत्तर प्रदेश माफियामुक्त, गुंडामुक्त और दंगामुक्त राज्य बन चुका है। अब यह देश में पर्यटन और निवेश का बेहतरीन डेस्टिनेशन बन गया है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले यूपी में यह पता ही नहीं चलता था कि सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क, पर अब यह प्रदेश एक्सप्रेस वे के नए संजाल से अर्थव्यवस्था को रफ्तार दे रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में युवाओं के सामने अब पहचान का संकट नहीं है। पांच दिन पूर्व गृह मंत्री अमित शाह की मौजदूगी में 60 हजार से अधिक युवाओं को पुलिस में नियुक्ति का पत्र दिया गया। इसमें 12045 बेटियों की भर्ती हुई है। आजादी के बाद 2017 तक यूपी पुलिस में सिर्फ दस हजार महिलाओं की भर्ती हुई थी, अब यह संख्या 40 हजार से अधिक हो चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा अब प्रदेश में सरकारी नियुक्तियों पर प्रश्न नहीं होते। अब जाति, क्षेत्र का भेद नहीं होता बल्कि भर्तियां मेरिट के आधार पर और आरक्षण के नियमों के अनुरूप होती हैं। उत्तर प्रदेश अब युवा ऊर्ज़ा को सकारात्मक ऊर्ज़ा में बदलने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। उन्होंने बिना दो नेताओं का नाम लिए कहा कि पुलिस सहित सरकारी भर्तियां 2017 के पूर्व में होती तो चाचा-भतीजा की जोड़ी वसूली पर निकल गई होती। उन्होंने गृह मंत्री के उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि यूपी में अब पर्ची-खर्ची के बिना पारदर्शी तरीके से भर्ती होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आठ साल में अकेले यूपी पुलिस में 2.16 लाख भर्ती हुई है जबकि कुल साढ़े आठ लाख से अधिक सरकारी भर्तियां हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा के बेहतर माहौल में अर्थव्यवस्था आगे बढ़ती है और निवेश आता है। यूपी में पिछले आठ सालों से यही हो रहा है। इस दौरान प्रदेश को 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए और उनमें से 15 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव को धरातल पर उतारा जा चुका है।

निवेश के आधार बन रहे एक्सप्रेस वे

सीएम योगी ने कहा कि यूपी के एक्सप्रेस वे निवेश के आधार बन रहे हैं। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे के जरिए गोरखपुर के दक्षिणांचल में औद्योगिक विकास की नई नई पड़ रही है। उन्होंने कहा कि गीडा में पिछले आठ सालों में 15000 करोड़ रुपये के निवेश धरातल पर उतरे जिससे 40हजार स्थानीय नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिला। उन्होंने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेस वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के बाद इस साल के अंत तक गंगा एक्सप्रेस वे की सौगात मिल जाएगी। इन एक्सप्रेस वे पर हर जिले में औद्योगिक क्लस्टर विकसित किया जा रहे हैं। इन औद्योगिक क्लस्टर में उद्योग लगेंगे, एमएसएमई की इकाइयां स्थापित होंगी, फिशरीज और एग्रीकल्चर के व्यवसाय की गतिविधियां आगे बढ़ेंगी।

कनेक्टिविटी में नम्बर एक बना उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश रोड, रेल और एयर कनेक्टिविटी में नम्बर एक है। यूपी एक्सप्रेस वे के मामले में तो नम्बर एक है ही, सबसे लंबा रेल नेटवर्क भी यहीं है। यही नहीं, 2017 के पहले दो एयरपोर्ट वाले इस राज्य में आज 16 एयरपोर्ट हैं। चार इंटरनेशनल एयरपोर्ट आपरेशनल हैं और देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट नोएडा के जेवर में बन रहा है।

सहकारिता भारत का जीवन-दर्शन है, सिर्फ आर्थिक मॉडल नहीं: शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। 'अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025' के उपलक्ष्य में मुंबई में शुक्रवार को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सहकारिता भारत के लिए केवल आर्थिक मॉडल नहीं, बल्कि पारंपरिक जीवन दर्शन है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष को लैंडमार्क वर्ष बनाकर सहकारिता आंदोलन को हर गांव, तहसील और जिले तक पहुंचाया जाएगा।

कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की गई, जिसने अल्प समय में अनेक ऐतिहासिक पहल की हैं। अमूल, इफको, कृभको और नाफ़ेड जैसी संस्थाओं ने किसानों, खासकर ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नाफ़ेड ऐप और पैक्स के विस्तार पर शाह ने बताया कि अब किसान नाफ़ेड ऐप के जरिए पंजीकरण कर अपनी उपज जैसे मक्का और दाल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बेच सकते हैं।

महाप्रभु के लिए ट्रंप का निमंत्रण ठुकराया: प्रधानमंत्री

- ओडिशा की भाजपा सरकार के एक साल पूरे, प्रधानमंत्री बोले- ये सुशासन की स्थापना की वर्षगांठ है

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को ओडिशा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की भाजपा सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर बधाई दी और इसे सुशासन, जनसेवा एवं जनविश्वास का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह वर्षगांठ सिर्फ सरकार के कार्यकाल की नहीं, बल्कि एक नए युग की शुरुआत की वर्षगांठ है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि वे दो दिन पहले कनाडा में जी-7 समिट में हिस्सा ले रहे थे। उस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें फोन कर वॉशिंगटन आने और भोजन पर चर्चा करने का न्यौता दिया। प्रधानमंत्री ने भावुक अंदाज़ में कहा, ‖मैंने, अमेरिका के राष्ट्रपति से कहा, निमंत्रण के लिए आपका धन्यवाद, लेकिन मुझे तो महाप्रभु की धरती पर जाना जरूरी है। इसलिए मैंने उनका निमंत्रण विनम्रता से मना किया। आपका प्रेम मुझे महाप्रभु की धरती तक खींच लाया है।‖ मोदी ने कहा कि यह आमंत्रण ठुकराना कोई राजनीतिक निर्णय नहीं था, बल्कि आस्था और संस्कृति की प्राथमिकता थी।

प्रधानमंत्री ने ओडिशा को भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का दिव्य सितारा बताते हुए कहा कि ओडिशा केवल एक राज्य नहीं है, यह भारतीय सभ्यता का जीवंत केंद्र है। महाप्रभु जगन्नाथ की इस धरती ने हमारी संस्कृति को सदियों से समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने श्रीमंदिर से जुड़े मामलों को प्राथमिकता दी है। राज्य में भाजपा सरकार बनते ही श्रीमंदिर के चारों द्वार खोल दिए गए और बहुप्रतीक्षित रत्न भंडार का उद्घाटन भी हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कोई राजनीतिक जय-पराजय का विषय नहीं है। यह करोड़ों भक्तों की आस्था का सम्मान है। प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर भ्रष्टाचार, विकास की अनदेखी और आदिवासी समाज की उपेक्षा के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ओडिशा में बहुत बड़ी संख्या में आदिवासी समाज निवास करता है, लेकिन उन्हें हमेशा राजनीति के लिए इस्तेमाल किया गया। उन्हें न विकास मिला, न भागीदारी। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले 125 से अधिक आदिवासी जिले नक्सली हिंसा की चपेट में थे, लेकिन भाजपा सरकार के प्रयासों से यह हिंसा अब मात्र 20 जिलों तक सीमित रह गई है। उन्होंने दोहराया कि नक्सलवाद को जड़ से खत्म करना मोदी की गारंटी है।

मोदी ने बिहार को दी 5,918 करोड़ की सौगात

पटना/सीवान। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में सीवान जिले के जसौली में राज्य को 5,900 करोड़ रूपये से अधिक की सौगात दी। इसमें आवास, शहरी विकास, जल शक्ति, विद्युत और रेल से जुड़ी 28 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने 22 नगर विकास की परियोजनाओं, 6 सड़क परियोजनाओं और एक रेल परियोजना का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया, जिसकी कुल लागत 5,918 हजार करोड़ रुपये है।

गोबर से लकड़ी बनाकर 5 करोड़ पेड़ों की रक्षा की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- राष्ट्रीय गोधन महासंघ ने दिल्ली में की बैठक
- नवंबर में आयोजित नेशनल समिट की तैयारी की हुई समीक्षा
- राष्ट्रीय गोधन समिट में राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को भी आमंत्रित करने की योजना

दिल्ली। राष्ट्रीय गौधन महासंघ दिल्ली द्वारा बीते एक दशक में देसी गायों के गोबर से विशेष लकड़ी बनाकर और उसका उपयोग श्मशान स्थलों पर कराकर 5 करोड़ से ज्यादा वृक्षों की रक्षा की गई है। यह लकड़ी देश के विभिन्न राज्यों में कार्य कर रही गौशालाओं के जरिए बनवाई जाती है। गौधन महासंघ के संयोजन से बड़े शमशान स्थलों पर यह लकड़ी पहुंचाई जाती है, जिससे शवदाह करना लोग प्राकृतिक और पवित्र मानने लगे हैं। इससे जहां पर्यावरण संरक्षण में उल्लेखनीय सहायता मिल रही है वहीं भारी संख्या में रोजगारों का सृजन भी हो रहा है।

राष्ट्रीय गौधन समिट 2025 के मुख्य प्रवक्ता, मीडिया प्रभारी तथा भाग्योदय फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं संस्थापक आचार्य राम महेश मिश्र ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय गौधन महासंघ के मुख्य संयोजक विजय खुराना की पहल पर इस विशेष लकड़ी निर्माण सहित अनेक अभूतपूर्व कार्य महासंघ द्वारा संपन्न हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज राजधानी दिल्ली के हौजखास स्थित महासंघ के राष्ट्रीय कार्यालय में संपन्न हुई बैठक में आगामी नवंबर माह की 5 से 10 की तिथियों में राजधानी में आयोजित राष्ट्रीय गौधन समिट 2025 की तैयारियों की समीक्षा की गई। ज्ञातव्य हो, देश की 22 हजार से अधिक गौशालाओं के संचालकों, प्रबंधकों, गौपालकों एवं किसानों का यह महासम्मेलन दिल्ली स्थित मेजर ध्यान चन्द्र स्टेडियम में आयोजित किया गया है।

श्री मिश्र ने बताया कि भारत के राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों को इस नेशनल समिट में आमंत्रित किए जाने की योजना है। आज सम्पन्न हुई बैठक में प्रांतवार कार्य का बंटवारा भी किया गया। बैठक में हरियाणा से पूर्व लोकसभा सांसद एवं राष्ट्रीय गौधन समिट 2025 की संयोजक सुनीता दुग्गल ने राज्यवार प्रगति प्रस्तुत की। श्रीमती दुग्गल ने आशा व्यक्त की कि गौभक्तों का यह महासम्मेलन देश में अभूतपूर्व होगा। बैठक में देश के पांच प्रांतों से आए अनेक गौभक्त मौजूद रहे।

नेपाल अपना मिथेन गैस भंडार चीन को सौंपेगा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल अपना मिथेन गैस भंडार चीन को सौंपने जा रहा है। दैलेख गांव में इस भंडार की जानकारी चीन के आर्थिक और प्राविधिक सहयोग से मिली है। उद्योग, वाणिज्य और आपूर्तिमंत्री दामोदर भंडारी ने कहा कि इसके उत्पादन के लिए आज ही चीन सरकार के पास प्रस्ताव भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि नेपाल सरकार अपने दम पर इसका उत्पादन नहीं कर सकती। इसलिए यह परियोजना चीन को सौंपी जा रही है। भंडारी ने बताया कि दैलेख में दो वर्ष पूर्व शुरू किए गए इस खोज में प्राकृतिक गैस के चार बड़े स्थानों का पता लगा। इसमें एक स्थान में ही सिर्फ 112 अरब घन मीटर मिथेन गैस होने की पुष्टि हो चुकी है। अनुमान है कि इन चारों स्थानों में करीब 430 अरब घन मीटर गैस का भंडार हो सकता है। इस जिले में पेट्रोलियम पदार्थ होने की संभावना पर नेपाल सरकार ने 2016 में चीन के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे। 2019 में दोनों देशों के बीच पेट्रोलियम पदार्थ की संभावना वाले स्थान पर चीन के ही आर्थिक और प्राविधिक मदद से उत्खनन का काम शुरू करने के समझौते पर हस्ताक्षर किया गया।

हार्टफुलनेस के वैश्विक आध्यात्मिक मार्गदर्शक दाजी का रविवार को राजधानी आगमन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। श्री राम चंद्र मिशन के अध्यक्ष एवं हार्टफुलनेस ध्यान के वैश्विक आध्यात्मिक मार्गदर्शक कमलेश डी पटेल दाजी का रविवार, 22 जून, 2025 को लखनऊ में शुभ आगमन हो रहा है। हार्टफुलनेस संस्था विश्व के 160 से अधिक देशों में ध्यान के माध्यम से मानव सेवा में निःशुल्क प्रयासरत है। दाजी आध्यात्मिक गुरुओं की एक शताब्दी पुरानी परम्परा में चौथे हैं। वर्ष 2023 में उन्हें आध्यात्मिकता में विशिष्ट सेवा के लिए भारत गणराज्य के तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। मार्च 2024 में उन्हें शांति स्थापना और आस्था के लिए राष्ट्रमंडल का वैश्विक राजदूत नामित किया गया।

दाजी पर्यावरणविद् भी हैं। उनके मार्गदर्शन में फॉरेस्ट बाय हार्टफुलनेस कार्यक्रम लुप्तप्राय प्रजातियों के पौधों को संरक्षित एवं बढ़ोत्तरी के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने इंटरनेशनल बेस्टसेलर कई किताबें लिखी हैं, जिनमें द हार्टफुलनेस वे, डिजाइनिंग डेस्टिनी, द विज़्डम ब्रिज, स्पिरिचुअल एनाटॉमी और नवीनतम द पावर ऑफ पैराडॉक्स प्रमुख हैं। राजधानी में उनके आगमन पर आईआईएम रोड स्थित बाबूजी मेमोरियल आश्रम में विशेष ध्यान सत्रों का आयोजन 22 से 24 जून, 2025 तक किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि नोएडा, मथुरा, अलीगढ़, कासगंज, बदायूं, बरेली, शाहजहांपुर, फतेहगढ़, कानपुर व उन्नाव के बाद उनका राजधानी आगमन हो रहा है। राजधानी के बाद प्रयागराज और वाराणसी में भी उनका आध्यात्मिक सत्र प्रस्तावित है।

महाप्रबंधक उत्तर रेलवे ने मृतक रेल कर्मचारी के परिजनों को बीमा राशि 1 करोड़ का चेक सौंपा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- यह पहल रेलवे कर्मचारियों के कल्याण के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा की अगुवाई में अपने रेल कर्मचारियों को विशेष सुरक्षा कवर प्रदान करने के लिए एक विशेष सैलरी पैकेज स्कीम को जनवरी 2025 में स्वीकृत किया था, जिसके अंतर्गत कर्मचारी की दुर्घटना में आक्समिक मृत्यु हो जाने पर उनके परिवारजनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा सके। इस विशेष रेल सैलरी पैकेज के तहत, आज उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने एक मृतक रेल कर्मचारी के परिजनों को 1 करोड़ का चेक सौंपा । यह चेक उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल में कार्यरत लोको पायलट सुशील लाल के परिजनों को दिया गया, जिनका निधन 11 मार्च 2025 को हुआ था। उनकी पत्नी को बीमा राशि का भुगतान किया गया । परिवार को रेलवे के कार्मिक विभाग द्वारा समापन भुगतान , अनुग्रह राशि के अतिरिक्त 1 करोड़ का चेक दुर्घटना बीमा राशि के रूप में प्रदान किया गया है।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने रेलवे के कार्मिक विभाग की इस पहल की सराहना की । उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इस तरह की पहल रेल कर्मचारी और उनके परिवारजनों की भलाई के लिए महत्वपूर्ण योगदान देगी। निसंदेह जान की भरपाई नहीं की जा सकती , मगर परिवार के भविष्य के लिए वित्तीय मदद बड़ा सहयोग करेगी। यह पहल रेलवे कर्मचारियों के कल्याण के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे, जिन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। डॉ अजय सॉयल , वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी , मुरादाबाद मंडल उत्तर रेलवे एवं हिमांशु चौहान, ब्रांच प्रबंधक, एस बी आई मुरादाबाद ब्रांच ने इस सम्बन्ध में सराहनीय प्रयास किये। उत्तर रेलवे के कार्मिक विभाग अपने रेल परिवार के साथियों के कल्याण के लिए सदैव उपलब्ध हैं जिससे कर्मचारियों का मनोबल हमेशा सकारात्मक रहता हैं।

देश में बने हर 10 में छह किलोमीटर एक्सप्रेस-वे यूपी के होंगे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारत के बुनियादी ढांचे के नक्शे पर उत्तर प्रदेश अब सबसे दमदार हस्ताक्षर कर रहा है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे के राष्ट्र को समर्पण के साथ ही उत्तर प्रदेश देश के कुल एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेस-वे नेटवर्क का 42 फीसदी हिस्सा अकेले अपने नाम कर चुका है। अभी तक यह 38 प्रतिशत था। यही नहीं, मेरठ से प्रयागराज तक बन रहे गंगा एक्सप्रेस-वे (594 किमी) का उद्घाटन होने के बाद उत्तर प्रदेश में अकेले देश का एक्सेस कंट्रोल्ड नेटवर्क 62 फीसदी हो जाएगा। यानी देश में बने हर 10 किलोमीटर एक्सप्रेसवे में से छह किलोमीटर एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश में होंगे। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश में कई और एक्सप्रेसवे निर्माणाधीन हैं, जबकि कई नए एक्सप्रेसवेज को शासन द्वारा मंजूरी दी गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के अनुसार, देशभर में जहां कुल 2900 किमी एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेस-वेमौजूद हैं। वहीं 1200 किमी से ज्यादा एक्सप्रेस-वे अकेले उत्तर प्रदेश में हैं। यह पूरे देश के कुल एक्सप्रेस-वे के नेटवर्क का 38 प्रतिशत है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे के जुड़ने से यह आंकड़ा अब बढ़कर 42 फीसदी हो गया है। मनोज कुमार सिंह ने बताया कि जल्द ही गंगा एक्सप्रेस-वे भी इसका हिस्सा होगा, जिसके जुड़ने से उत्तर प्रदेश का कुल शेयर 62 प्रतिशत से ज्यादा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण न सिर्फ भौगोलिक बाधाओं को पार किया हुआ है, बल्कि यह पूर्वांचल की सामाजिक-आर्थिक तस्वीर को भी बदलने जा रहा है। इसे बनाने में 7200 करोड़ रुपये की लागत आई है, जिसमें 3400 करोड़ रुपये इसे बनाने में और शेष भूमि अधिग्रहण और अन्य मदों में खर्च किया गया है। इसके लिए 22 हजार किसानों से 1100 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। उत्तर प्रदेश देश का पहला और इकलौता राज्य है जहां सबसे अधिक एक्सप्रेस–वे न केवल बनकर तैयार हो चुके हैं, बल्कि कई निर्माणाधीन और प्रस्तावित भी हैं। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे उत्तर प्रदेश का सातवां एक्सप्रेस–वे है। इसके अतिरिक्त तीन निर्माणाधीन और 8 प्रस्तावित हैं। प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेस–वे गंगा एक्सप्रेस–वे (594 किमी.), बलिया लिंक एक्सप्रेस–वे (35 किमी.) और लखनऊ-कानपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस–वे (63 किमी.) तेजी से पूर्ण हो रहे हैं। वहीं, चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस–वे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस–वे को पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से जोड़ने वाला लिंक एक्सप्रेस–वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे एवं आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस–वे को वाया फर्रूखाबाद, गंगा एक्सप्रेस–वे से जोड़ने वाला लिंक एक्सप्रेस–वे तथा जेवर एयरपोर्ट लिंक एक्सप्रेस–वे का निर्माण गतिमान है। उत्तर प्रदेश अकेला राज्य है, जहां 2000 किमी से अधिक एक्सप्रेस–वे नेटवर्क की योजना पर काम हो रहा है। यूपी में एक्सप्रेस–वे न केवल राजधानी या बड़े शहरों तक सीमित हैं, बल्कि बुंदेलखंड, पूर्वांचल और तराई जैसे क्षेत्रों को भी जोड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने जिस गति और दृष्टिकोण के साथ एक्सप्रेस–वे नेटवर्क का विस्तार किया है, वह न केवल प्रदेश को जोड़ता है, बल्कि पूरे भारत के विकास को गति देता है। उत्तर प्रदेश के ये एक्सप्रेस–वे सिर्फ सीमेंट और कंक्रीट से बनी रोड नहीं, बल्कि आर्थिक विकास की धमनियां हैं जो उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार तक पहुंच को सुलभ बना रही हैं। उत्तर प्रदेश अब एक्सप्रेस–वे के ज़रिए देश को जोड़ने वाला इंजन बन चुका है। जहां बाकी राज्य शुरुआत में हैं, वहीं यूपी नेशनल एक्सप्रेस–वे नेटवर्क का बेस कैम्प बन चुका है और अब यह सफर रुकने वाला नहीं है। यह एक्सप्रेस–वे उम्मीदों, सपनों और नए अवसरों की चमकती सड़क है जो उत्तर प्रदेश को ''एक्सप्रेस स्टेट ऑफ इंडिया'' बना रही है।

यूपी में वर्तमान में संचालित एक्सप्रेस–वे और उनकी लंबाई

1. पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे: 341 किमी. 2. बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे: 296 किमी. 3. आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे: 302 किमी.4. यमुना एक्सप्रेस–वे: 165 किमी. 5. दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे: 96 किमी. 6. नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस–वे: 25 किमी. 7. गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे: 91 किमी.

महिलाओं के लिए लाभकारी है भद्रासन

लखनऊ। भद्र शब्द का अर्थ दृढ़ सज्जन या सौभाग्यशाली होता है। भद्रासन का अभ्यास शरीर को दृढ़ रखता है एवं मस्तिष्क को स्थिरता प्रदान करता है। बलरामपुर चिकित्सालय के योग विशेषज्ञ डॉ. नन्दलाल यादव ने बताया कि भद्रासन विशेषकर गर्भवती महिलाओं के लिए लाभकारी है। उन्होंने बताया कि यह आसन महिलाओं के मासिक धर्म के समय अक्सर होने वाले पेट दर्द से मुक्ति प्रदान करता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले दोनों पैरों को सामने की ओर खींचते हुए सीधा बैठें। यदि आपकी जंघाएं जमीन से नहीं लगी हुई हैं तो सहारे के लिए घुटनों के नीचे एक मुलायम तकिया रखना चाहिए।

अभ्यास विधि

1.दोनों पैरों को सामने की ओर सीधा फैलाकर पीठ व कमर को सीधा रखते हुए बैठ जाएं।

2.दोनों हाथों को नितंब के पास रखें। हथेलियां जमीन पर होनी चाहिए। यह स्थिति दण्डासन कहलाती है।

3.अब दोनों पैरों के तलवों को पास ले आएं।

4.श्वास बाहर छोड़ते हुए पैरों के पंजों को हाथ से पकड़कर ढक दें।

5.श्वास भरते हुए एड़ियों को मूलाधार क्षेत्र के ?जितना नजदीक हो सके ले आएं।

6.इस अवस्था में 10 से 30 सेकण्ड तक रूकें तथा सामान्य रूप से श्वास लेते रहें।

भद्रासन करने के लाभ

एकाग्रता शक्ति बढ़ती है और दिमाग तेज होता है।

प्रजनन शक्ति बढ़ती है।

पाचन शक्ति ठीक रहती है।

पैर के स्नायु मजबूत होते हैं।

सावधानी

पुराने तथा अत्यधिक पीड़ा देने वाले आर्थराइटिस और साइटिका से ग्रसित व्यक्ति को इस अभ्यास को नहीं करना चाहिए।

सिंचाई विभागः 'संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति ने दिया धरना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 शासन के शासनादेश संख्या-12ध्2025ध्वे0आ0- 2-243ध्दस-2025-ई0प0सं0-10-27099ध13ध2024, दिनांक 14 मई 2024 द्वारा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश के बडी संख्या में अनेकों उपयोगी पदों को अनुपयोगी बताते हुए समाप्त किये जाने का निर्णय लिया जा रहा है, जो किसान एवं कर्मचारी विरोधी निर्णय है, जिसका प्रभावी विरोध किये जाने के लिए सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के समस्त मान्यता प्राप्त संघों द्वारा गठित ''सिंचाई विभाग संयुक्त कर्मचारी संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश'' के आवाहन पर सिंचाई विभाग के समस्त कर्मचारियों द्वारा दिनांक- 20.05.2025 एवं 21.05.2025 को काला फीता बॉधकर सांकेतिक विरोध दर्ज किया गया, दिनांक 28.05.2025 को सिंचाई विभाग के समस्त कार्यालयों पर गेटमीटिंग करके ध्यानाकर्षण किया गया तथा दिनांक 04.06.2025 को प्रदेश के समस्त जनपदों में विशाल शांतिपूर्ण धरना प्रर्दशन उपरान्त जिलाधिकारयों के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं सिंचाई मंत्री को सम्बोधित ज्ञापन प्रेषित किया गया। उक्त कार्यक्रम एवं ज्ञापनो का संज्ञान न लिये जाने के कारण सिंचाई विभाग, उ0प्र0 के समस्त कर्मचारियों में अत्याधिक रोष व्याप्त होने के कारण मजबूर होकर प्रदेश व्यापी शान्तिपूर्ण विशाल धरना कार्यालय प्रमुख अभियंता, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 उदयगंज, कैन्ट रोड, लखनऊ के प्रागंण स्थित गेट नं0-2 के सामने किया गया जिसमें सिंचाई विभाग के समस्त संगठनों के कर्मचारी उपस्थित रहे। हजारों-हजार कर्मचारियों द्वारा शांतिपूर्ण धरना उपरान्त मुख्यामंत्री, उ0प्र0 एवं सिंचाई मंत्री के समबोधित ज्ञापन मण्डलायुक्त, लखनऊ के माध्यम से प्रेषित किया गया तथा निम्न आन्दोलन की घोषणा की गई। जनपद स्तर पर रैलियों का आयोजन करते हुए समस्त जन प्रतिनिधियों के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं माननीय सिंचाई मंत्री को पत्र प्रेषित किया जाये। उपरोक्त संघर्ष में निम्न पदाधिकारी के उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार पर मायावती ने योगी सरकार पर साधा निशाना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने विभागीय भ्रष्टाचार को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है और कहा है कि मुख्यमंत्री योगी को इस संबंध में भष्ट्राचार निरोधक विजिलेंस विभाग को सक्रिय करना होगा।

सुश्री मायावती ने एक्स पर कहा देश के अधिकतर प्रदेशों की तरह यूपी में भी हर स्तर पर सरकारी कार्यकलापों के साथ ही विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार और हिस्सेदारी के आरोपों से घिरे तबादलों की अनवरत आम चर्चा व ख़बरों का मा. मुख्यमंत्री को कड़ा संज्ञान लेकर ना सिर्फ भ्रष्टाचार निरोधक विजिलेन्स विभाग आदि को सक्रिय करना बल्कि समयबद्ध एसआईटी का भी गठन करके व्यवस्था में आवश्यक सुधार करना जन व देशहित में ज़रूरी है। सरकारी भ्रष्टाचार व अफसरों की द्वेषपूर्ण मनमानी पर यूपी सीएम जितना जल्द सख़्त क़दम उठाए उतना बेहतर।

स्वस्थ मन, स्वस्थ तन और स्वस्थ जीवन के लिए अपनाएं योगः ब्रजेश पाठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के एक दिन पूर्व में लखनऊ के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में योगाभ्यास कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि स्वस्थ मन, स्वस्थ तन और स्वस्थ जीवन के लिए योग को अपनाएं। योग करते रहने वाले स्फूर्ति से भरे रहते हैं। विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं से आग्रह है, वे योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की विश्वविद्यालय प्रबंधन एवं विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि भारत ने योग विधा का नेतृत्व किया है। भारत ने योग को विश्व स्तर पर पहुंचाया है। भारत के नेतृत्व में आज पूरी दुनिया योग कर रही है। योग कर के निरोग हो रही है। भारत के मूल में योग है और हर भारतीय को सम्पूर्ण योग का अध्ययन कर उसे करना ही चाहिए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने श्रीजगन्नाथ पंचाग का लोकार्पण भी किया। योगाभ्यास कार्यक्रम में मुख्य रूप से निदेशक प्रोफ़ेसर सर्व नारायण, प्रोफ़ेसर मदन मोहन झा, प्रोफ़ेसर पी.वी.बी. सुब्रमण्यम, प्रोफ़ेसर मदन मोहन पाठक, प्रोफ़ेसर भारत भूषण त्रिपाठी, प्रोफ़ेसर श्रीदेवी प्रसाद द्विवेदी, प्रोफ़ेसर अवनीश अग्रवाल एवं विभिन्न प्रांतो के विभिन्न परिसरों से पधारे सम्मानित आचार्यगण और बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के छात्र उपस्थित रहे।

बुद्धेश्वर पुलिस बूथ में मारपीट, पुलिस ने 4 आरोपियों को दबोचा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पारा इलाके की बुद्धेश्वर पुलिस बूथ में 19 जून की देर रात दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। दो युवकों ने एकदृदूसरे को लात,घूसे मारे। एक–दूसरे को घसीट–घसीटकर पीटा। पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। घटना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। उस पर लोगों ने अलग,अलग प्रतिक्रियाएं दी हैं। पुलिस के अनुसार, पारा में राधेश्याम, अंकुश, आकाश और अनुपम सिंह रहते हैं। 19 जून की रात बारिश हो रही थी। अनुपम सिंह बाइक लेकर पुल के नीचे खड़ा था। पीछे से आए राधेश्याम, अंकुश और आकाश ने कई बार हॉर्न बजाया। इसको लेकर उनका अनुपम सिंह से झगड़ा हो गया। दोनों पक्षों में काफी देर तक गालीदृगलौज हुई। उसके बाद दोनों पक्ष बुद्धेश्वर पुलिस बूथ पहुंचे। वहां पर भी दोनों पक्ष भिड़ गए। पुलिस कर्मियों के सामने ही चौकी में एक,दूसरे को गालियां देने लगे। मारपीट शुरू कर दी। पुलिस कर्मियों ने बीच,बचाव करने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। स्थानीय लोग भी बीचदृबचाव में आए। उसके बाद पुलिस ने सख्ती बरतते हुए राधेश्याम, अंकुश, आकाश और अनुपम सिंह को गिरफ्तार कर लिया। चौकी में मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति कह रहा है। पुलिस के सामने मारपीट हो रही है। वायरल वीडियो पर लोगों ने तरह,तरह की प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दीं। कई लोगों ने कहा कि चौकी में मारपीट हो रही है। पुलिस तमाशबीन बनी है।

69 हजार शिक्षक भर्ती : आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने अखिलेश यादव से की मुलाकात

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। 69 हजार शिक्षक भर्ती के अंतर्गत नियुक्ति की मांग कर रहे आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से उनके कार्यालय में मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा।

अभ्यर्थियों ने बताया की 69 हजार शिक्षक भर्ती में व्यापक स्तर पर आरक्षण नियमों की अनदेखी की गई। जिसकी वजह से दलित पिछड़े समाज के हजारों अभ्यर्थी नौकरी पाने से वंचित हो गये। अभ्यर्थियों ने कहा की भर्ती का यह विवादित मामला हाईकोर्ट में गया था। वहां से आरक्षित (पिछड़ा दलित) वर्ग के अभ्यर्थियों को जीत मिली है, लेकिन सरकार की लापरवाही के कारण यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट चला गया। जिसकी सुनवाई 21 जुलाई को होनी है। अभ्यर्थियों ने उनसे निवेदन किया की आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के हितों को देखते हुए इस प्रकरण पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजकर निस्तारण कराए जाने का आग्रह करें। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अभ्यर्थियों की बात सुनने के बाद उन्होंने उक्त प्रकरण पर प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर निस्तारण कराए जाने का आग्रह करने का आश्वासन अभ्यर्थियों को दिया है। यह जानकारी अभ्यर्थियों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने अखिलेश यादव से मुलाकात के बाद दी। अमरेंद्र पटेल ने बताया कि 69 हजार शिक्षक भर्ती का आयोजन 2018 में किया गया था। उनका आरोप है कि ओबीसी को मिलने वाला 27 प्रतिशत और एससी वर्ग को मिलने वाला 21 प्रतिशत आरक्षण इस भर्ती में नहीं दिया गया। जब इसकी जांच हुई तो राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित कमेटी की जांच रिपोर्ट और हाईकोर्ट का ऑर्डर सभी उनके पक्ष में है। लेकिन फिर भी आरक्षित वर्ग के साथ अन्याय किया जा रहा और हमें हमारे पदों पर नियुक्ति नहीं दी गई। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है। अभ्यर्थियों की मांग है कि होने वाली अगली सुनवाई पर सरकार अपना पक्ष रखे। जिससे यह मामला जल्द निस्तारित हो सके।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सभी सर्वोदय विद्यालयों में मनाया जाएगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष की थीम ल्लयोगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थङ्क है, जो खुद के साथ पूरे समाज को स्वस्थ रखने की वैश्विक भावना को दर्शाती है।

विभाग की ओर जोरी विज्ञप्ति में बताया गया कि इस अवसर पर सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सहभागिता से सामूहिक योगाभ्यास सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें योग शिक्षकों के मार्गदर्शन में प्राणायाम एवं विभिन्न योगासन करवाए जाएंगे। इसके साथ ही योग के लाभ और जीवन में इसकी महत्ता पर भी जागरूक किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को तनाव कम करने और एकाग्रता बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी। समाज कल्याण विभाग का यह प्रयास है कि समाज के वंचित वर्गों के बच्चों को न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, बल्कि वे स्वस्थ और अनुशासित भी बनें। योग दिवस इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। गौरतलब है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश भर में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्र-छात्राओं के लिए कक्षा 6 से 12 तक आवासीय सुविधा से युक्त 100 सर्वोदय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इन विद्यालयों में गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ-साथ जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग की सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

जुमे की नमाज के बाद ईरान के समर्थन में नारेबाजी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में बड़ा इमामबाड़ा के आसिफी मस्जिद के मुख्य द्वार पर जुमे की नमाज के बाद लोगों ने हाथों में तख्तियां लेकर ईरान के समर्थन में नारेबाजी की। लोगों ने ईरान पर हमला करने वाले देश इजराइल और उसके समर्थक अमेरिका के विरोध में भी नारेबाजी की। इस प्रदर्शन का नेतृत्व शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद कर रहे थे। शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद अपने हाथों में भी तख्ती लेकर ईरान के समर्थन में खड़े दिखायी दिए। इस दौरान मौलाना जव्वाद ने कहा कि अगर हमारे सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली ख़ामेनेई का एक बाल भी बांका हुआ तो हम खामोश नहीं बैठेंगे। ईरान के समर्थन में मौलाना ने कहा कि ईरान दुश्मन देश नहीं है, भारत के लिए ईरान शांति चाहने वाला मुल्क है। भारत को असल खतरा पाकिस्तान से है, जिसके पास एटॉमिक पावर भी है। भारत के विरूद्ध पाकिस्तान ने सदैव चालें चली हैं। उन्होंने आगे कहा कि ईरान पर इजराइल के हमले में अमेरिका भी भागीदार है। हम अमेरिका को भारत की सरज़मीं पर घुसने नहीं देंगे, उसके विरूद्ध देश भर में विरोध करेगें। अमेरिका और इजराइल दोनों देश मिलकर ईरान के खिलाफ झूठा प्रोपेगेंडा रच रहे हैं। दोनों एक साथ हमले के लिए माहौल बना रहे हैं।

प्रदेश के 16 जिलों में 144 औद्योगिक प्लॉट्स की होगी मेगा ई–नीलामी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश के तौर पर परिवर्तित कर रही योगी सरकार प्रदेश के 16 जिलों में 144 औद्योगिक प्लॉट्स के आवंटन के लिए मेगा ई-नीलामी करने जा रही है। सीएम योगी का स्पष्ट निर्देश है कि प्रदेश में नए उद्यम लगाने के लिए इच्छुक उद्यमियों को औद्योगिक प्राधिकरणों द्वारा न केवल भूमि उपलब्ध करायी जाए, बल्कि यह सुनिश्चित किया जाए कि पारदर्शी तरीके से प्रक्रिया को पूरा किया जाए।

ऐसे में, उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) द्वारा मेगा ई-नीलामी की जो स्कीम पेश की गई है उसके जरिए 300 स्क्वेयर मीटर से लेकर 13,197 स्क्वेयर मीटर तक के प्लॉट्स के आवंटन की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। इस प्रक्रिया के जरिए मथुरा, मैनपुरी, शाहजहांपुर, हमीरपुर, जालौन, झांसी, फतेहपुर, कानपुर, बांदा, बागपत, उन्नाव, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, हापुड़, वाराणसी व अमेठी में औद्योगिक भूखंड आवंटन का मार्ग प्रशस्त होगा।

उल्लेखनीय है कि, इसमें से बागपत में चिह्नित 5097.10 वर्ग मीटर का प्लॉट उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं प्रोत्साहन नीति (यूपीआईआईईपीपी-2022) के अंतर्गत इन्वेस्ट यूपी अनुमोदित मेगा प्रोजेक्ट के लिए आरक्षित है। इन सभी प्लॉट्स के रिजर्व प्राइस तय हैं तथा इनके लिए 5 जुलाई तक आवेदन किया जा सकता है। सभी आवेदनों में से पात्र आवेदनों को चिह्नित कर 11 जुलाई को होने वाली मेगा ई-नीलामी प्रक्रिया में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा जिसके जरिए वह संबंधित प्लॉट्स की बोली लगा सकेंगे।

अमेठी में होगी सर्वाधिक 33 प्लॉट्स की नीलामी

यूपीसीडा द्वारा तैयार की गई मेगा ई-नीलामी प्रक्रिया में प्रदेश के 16 जिलों में कुल 144 औद्योगिक भूखंडों की नीलामी का मार्ग प्रशस्त होगा। इसमें सर्वाधिक 33 प्लॉट्स अमेठी में नीलामी के लिए उपलब्ध होंगे। इसमें आईआईडीसी बंथरा में 300 स्वेंयर मीटर के प्लॉट्स सबसे छोटे हैं, जिसमें प्रत्येक की रिजर्व प्राइस 16.47 लाख रुपए है। यहां पर लेदर गुड्स मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना हो सकेगी। जबकि सबसे बड़ा प्लॉट 13,197 स्क्वेयर मीटर का है जो कि कानपुर के मलवां स्थित है, जिसकी रिजर्व प्राइस 3.74 करोड़ रुपए है और इसका उपयोग सामान्य केटेगरी के औद्योगिक इकाई लगाने में हो सकेगा। प्रक्रिया के जरिए मथुरा में 14, मैनपुरी में 11, शाहजहांपुर में 9, हमीरपुर में 9, जालौन में 8, झांसी में 4, फतेहपुर में 15, कानपुर में 9, बांदा में 3, उन्नाव में 7, सहारनपुर में 8, मुजफ्फरनगर में 4, हापुड़ में 7 तथा वाराणसी में 2 औद्योगिक प्लॉट्स की ई-नीलामी प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा जिससे नए औद्योगिक इकाइयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा।

11 जुलाई को होगी ई–नीलामी, 5 जुलाई तक हो सकेगा आवेदन

यूपीसीडा द्वारा तैयार की गई योजना के अनुसार, मेगा ई-ऑक्शन में भाग लेने के लिए सभी इच्छुक आवेदनकर्ता कैटलॉग फीस, प्रोसेसिंग फीस व ईएमडी भुगतान 4 जुलाई तक कर सकते हैं। जबकि, सभी औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 5 जुलाई निर्धारित है। इन सभी आवेदन की स्क्रीनिंग करने के बाद पात्र आवेदनकर्ताओं को 11 जुलाई को होने वाली मेगा ई-नीलामी में हिस्सा लेकर बोली लगाने का मौका मिलेगा। प्रपत्र डाउनलोड व पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और सारी प्रक्रिया ऑनलाइन ही पूरी की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए यूपीसीडा की आधिकारिक वेबसाइट और निवेश मित्र पोर्टल पर लॉगिन किया जा सकता है।

पूर्वांचल में आरएलडी ने पसारे पांव,जयंत 23 को पहुंचेंगे वाराणसी

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी आगामी 23 जून को वाराणसी पहुंचेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय करेंगे। इस दौरे को पूर्वांचल में पार्टी के संगठनात्मक विस्तार और जनसंपर्क अभियान के रूप में देखा जा रहा है। पूर्वांचल में बढ़ते जनसमर्थन और संगठन की मजबूती को देखते आरएलडी अब इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति और प्रभावी बनाने जा रही है। जयंत चौधरी अपने दौरे के दौरान कार्यकर्ताओं से संवाद, सामाजिक संगठनों से मुलाकात, तथा पूर्वांचल के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। आरएलडी की पहल स्पष्ट संकेत देती है कि अब पार्टी केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं बल्कि पूरे राज्य में सशक्त विकल्प के रूप में उभर रही है।राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि वाराणसी दौरे के दौरान जयंत चौधरी कार्यकर्ताओं से संवाद कार्यक्रम, प्रेस कांफ्रेंस तथा जनप्रतिनिधियों और युवाओं से भेंट करेंगे।इस दौरे से राष्ट्रीय लोकदल पूर्वांचल में जड़ों को और गहरा करेगा।

जिलाधिकारी ने दिए शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने आम जन की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। आज कुल 75 शिकायतें प्राप्त हुईं।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की कोताही न की जाये। बड़ी संख्या में वंचित पात्रों की वृद्धावस्था, विधवा व दिव्यांग पेंशन मौके पर ही बनाई गयी। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड आधार देखकर मौके पर ही बनाये गए। आज कुल 03 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बने। इस प्रकार जिलाधिकारी अनुनय झा के आगमन के उपरांत अब तक जन सुनवाई के दौरान ही कुल 93 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए भूमि विवाद के मामले में मौके पर जाकर त्वरित कार्रवाई की जाये। वरासत के प्रकरणों में अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। चकरोड पर कब्जे की शिकायत को गंभीरता से लेकर तत्काल कार्रवाई की जाये। नक्शा दुरुस्ती के कार्य में देरी न की जाये। सुरभि नाम की एक बच्ची जिलाधिकारी के समक्ष पहुँची और बताया कि उसके पिता की मृत्यु 6 मई को हो चुकी है उसकी माँ पहले से नहीं हैं। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी विरा को कृषक दुर्घटना कल्याण योजना की धनराशि दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रोबेशन विभाग को निर्देश दिया कि बच्ची को बाल सेवा योजना से आच्छादित किया जाये। रामू नाम के एक व्यक्ति ने बताया कि वह गंभीर बीमारियों से ग्रसित है उसके पास इलाज के लिए पैसे नहीं हैं। जिलाधिकारी ने तत्काल मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से उनको सहायता दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अनंतराम नाम के एक बुजुर्ग व्यक्ति का मौके पर पेंशन व आयुष्मान कार्ड बनाया गया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी विरा प्रियंका सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

योग मन को शांत रखता है: अजीत सिंह बब्बन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। ज़िला सैनिक कल्याण बोर्ड कार्यालय में वीरांगना सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान एवं हरदोई पूर्व सैनिक वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय योग शिविर में द्वितीय दिवस पर दीप प्रज्वलन भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने संस्थान द्वारा आयोजित योग शिविर की सराहना करते हुए कहा कि ग्यारहवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को है, इसके उपलक्ष्य में शहर वासियों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए आयोजित इस योग शिविर के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मकता लाना है एवं शारीरिक और मानसिक तनाव से मुक्त करना है। योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन को भी शांत रखता है। इस मौके पर वीरांगना की अध्यक्ष सुहाना जैन के सौजन्य से एक स्वास्थ्य कैम्प भी मुरादाबाद से आई हर्बल लाइफ की इंटरनेशनल वेलनेस कोच श्रुति गुप्ता द्वारा लगाया गया, जिसमे लोगों की जांचे नि:शुल्क की गईं।

इस अवसर पर योग शिक्षक हरिवंश सिंह, योग शिक्षिका विनीता पाण्डेय, भाजपा नगर अध्यक्ष मुदित बाजपेई, कर्नल ,ओमप्रकाश,अभय दीक्षित सनी, हरदोई पूर्व सैनिक वेलफेयर के अध्यक्ष अशोक अग्निहोत्री, बॉबी ओमर,आदर्श शुक्ला आदि सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

अंतरजनपदीय गिरोह के 5 आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। संडीला पुलिस ने लूट और डीजल चोरी में शामिल अंतरजनपदीय गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। अपराधियों से एक इनोवा, दो स्विफ्ट डिजायर, एक बुलेरो और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। इसके अलावा 2360 लीटर डीजल, 1 लाख 10 हजार 720 रुपये नकद, तीन तमंचे और चार जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं।

■ चोरी की 4 गाड़ियां और 2360 लीटर डीजल बरामद, तमंचा-कारतूस भी मिले

पुलिस अधीक्षक के अनुसार,17 जून को शाहजहांपुर निवासी मोहम्मद आदिल की इनोवा कार लखनऊ से लौटते समय संडीला क्षेत्र में लूट ली गई थी। इस मामले में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने फर्रुखाबाद निवासी विशाल उर्फ मटरू और हरदोई के माधौगंज क्षेत्र के अशरफ अली और उसके तीन बेटों इशरत, अरशद और आलम को गिरफ्तार किया।

पहले से कई मुकदमे दर्ज

पूछताछ में पता चला कि ये लोग फर्रुखाबाद से हरदोई आकर माधौगंज में रुकते थे। रात में डीजल चोरी करते और चोरी का डीजल अशरफ को बेच देते थे। गिरफ्तार अभियुक्तों पर पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। इशरत माधौगंज का हिस्ट्रीशीटर है। विशाल पर गैंगेस्टर और गुंडा एक्ट समेत 9 मुकदमे दर्ज हैं।

कई घटनाओं का खुलासा

पुलिस ने संडीला, बिलग्राम, बघौली और कछौना थानों में चोरी व लूट के 4 मामलों का खुलासा किया है। पुलिस अधीक्षक ने खुलासे में लगी टीम को 25 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

जन्म प्रमाण-पत्र शिविर

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिलाधिकारी अनुनय झा ने कहा है कि उनके संज्ञान में आया है कि ग्रामीण क्षेत्रों के ऐसे बहुत से बच्चे हैए जिनके जन्म प्रमाण.पत्र न होने के कारण विद्यालयों में प्रवेश से वंचित हो रहे हैए इस लिए ऐसे बच्चों का जन्म प्रमाण उपलब्ध कराने हेतु समस्त ब्लाकों के सभागार में दिनाँक–24, 25, 26 एवं 27 जून 2025 को प्रातः 10 बजे से सायं 04 बजे तक आयोजन किया जायेगा। उन्होने कहा है कि कैम्प में बीडीओ नोडल अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, नायब तहसीलदार, सहायक विकास अधिकारी एवं ग्राम पंचायत सचिव उपस्थिति रहेंगें।

नगर पालिका में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है: रामज्ञान गुप्ता

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश सचिव एवं हरदोई नगर पालिका से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे रामज्ञान गुप्ता ने हरदोई नगर के विभिन्न मोहल्ले में जाकर नगर वासियों की समस्याओं को सुना और देखा नगर वासी जल भराव, गंदगी, कीचड़ से परेशान है कहीं भी मोहल्ले में

कूड़ादन नहीं रखे हैं चारों तरफ कूड़े के ढेर लगे हैं, नाली और नालों की सफाई न होने के कारण जल भराव एव गंदगी व्याप्त है दुर्गंध आती है मोहल्ला वासियों दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है इससे बीमारी फैलने का भी खतरा है। हरदोई नगर के मोहल्ला सैय्यापुरवा, वैष्णो नगर, मंगलीपुरवा, लालतापुरवा, मोहोलिया, देविनपुरवा, भट्ठापुरवा, टीलिया, आशा नगर, नघेटा पूर्वी, कृष्णनगरिया, सुभाष नगर, आजाद नगर, आवास विकास कॉलोनी, आदि ऐसे बहुत से मोहल्ले हैं जहां पर अभी तक गलियों में इंटरलॉकिंग, नाला, नालियों, बिजली के पोल एवं विद्युतीकरण का कोई भी विकास कार्य नहीं हुआ है बिजली के पोल न होने के कारण तार वालियों पर लटक रहे हैं इससे मोहल्ला वासियों को खतरा बना रहता है, उन्होंने कहा कि बहुत जल्द जिलाधिकारी से मुलाकात कर नगर की सभी समस्याओं का अवगत कराऊंगा। प्रदेश सचिव रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि नगर पालिका का विकास सिर्फ कागजों तक सीमित है हरदोई नगर पालिका मे भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। भाजपा सरकार में छात्र, नौजवान, किसान, बेरोजगार व व्यापारी सभी परेशान है। अपराध चरम पर है महिलाओं के साथ जघन्य अपराध हो रहे हैए सपा नेता रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि जनता चुनाव का इंतजार कर रही है। 2027 में भाजपा की झूठ, लूट और बेईमानी वाली सरकार को जनता हमेशा के लिए सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा देगी। इस मौके पर मुख्य रूप से रणधीर वर्मा, राजकुमार वर्मा, विकास गुप्ता, आदेश गुप्ता, राजकुमार कश्यप, सुरजीत सक्सेना, ओम प्रकाश शर्मा, रविंद्र राठौर, नवनीत गुप्ता, राधेश्याम आदि मोहल्ला वासी मौजूद रहे।

पाली पुलिस ने चोरी के ट्रैक्टर सहित भाहपुर गांव निवासी युवक को किया गिरफ्तार

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पाली थाना पुलिस ने एक युवक को चोरी के ट्रैक्टर और कल्टीवेटर के साथ गिरफ्तार किया है, युवक ने क्षेत्र के सिंघापुर गांव से ट्रैक्टर चोरी किया था, जिसके संबंध में पीड़ित द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। गुरुवार को कौशल उर्फ प्रमेंद्र पुत्र नरेश निवासी ग्राम सिंघापुर थाना पाली द्वारा थाने में तहरीर दी गई थी कि अमित पुत्र रामाधार निवासी ग्राम भाहपुर द्वारा उसका गांव के बाहर खड़ा ट्रैक्टर चोरी कर लिया

गया। इस संबंध में तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया। उपरोक्त मुकदमें से संबंधित अमित पुत्र रामाधार को रात में थाने की पुलिस टीम ने चोरी किए गए ट्रैक्टर मय कल्टीवेटर सहित गिरफ्तार कियाए थानाध्यक्ष ने बताया कि प्रकरण में अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष सोमपाल गंगवार, उपनिरीक्षक जयनारायण मिश्र, विक्रांत चौधरी, हेड कांस्टेबल बृजेंद्र सिंह, कांस्टेबल चंद्र कुमार शामिल रहे।

आईआईटी बॉम्बे में शिक्षा प्रौद्योगिकी और राष्ट्र निर्माण पर संगोष्ठी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

लखनऊ। 18 जून, 2025 को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस), लखनऊ के महानिदेशक (तकनीकी) प्रोफेसर भरत राज सिंह ने आईआईटी बॉम्बे में 'शिक्षा प्रौद्योगिकी और राष्ट्र निर्माण' पर आयोजित एक संगोष्ठी में भाग लिया। इस संगोष्ठी में नैक के अध्यक्ष प्रोफेसर अनिल सहस्त्रबुद्धे, एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रोफेसर टी.जी. सीथाराम और स्पोकन ट्यूटोरियल के आविष्कारक प्रोफेसर कन्नन सहित प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया।

इस संगोष्ठी का एक मुख्य आकर्षण स्पोकन ट्यूटोरियल प्रमाणित उम्मीदवारों के लिए रोजगार क्षमता बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए आयोजित पूर्ण सत्र था। एसएमएस लखनऊ, जो 2011 से स्पोकन ट्यूटोरियल परियोजना का सबसे पुराना भागीदार है, ने एआई, डेटा साइंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और मशीन लर्निंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों को शामिल करने के लिए पाठ्यक्रमों को अद्यतन करने का प्रस्ताव रखा, जिसे व्यापक स्वीकृति मिली। एसएमएस के योगदान की सराहना की गई। संगोष्ठी का उद्देश्य शिक्षा प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर राष्ट्र निर्माण और एक अधिक कुशल कार्यबल तैयार करना था। प्रोफेसर सिंह की वापसी पर, एसएमएस लखनऊ के सीईओ शरद सिंह ने कहा कि वे हमेशा अपने छात्रों को अपने करियर के निर्माण के लिए नई प्रौद्योगिकी मंच अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। यह एसएमएस के शिक्षा में नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों के अनुरूप है।

बिजली व विकास कार्यों की समस्याओ को लेकर धरना प्रदर्शन

■ भटपुर घाट पर चला 6 घंटे धरना, एसडीएम सण्डीला ने आकर लिया ज्ञापन 15 दिन में हो निदान

■ भटपुर ग्राम पंचायत में बिजली और विकास कार्यों की व्यवस्था बदहाल

■ भरावन ब्लॉक के बहादुर खेड़ा गांव में 70 वर्ष से विद्युत आपूर्ति नहीं

एसडीएम संडीला को ज्ञापन देते भूपेंद्र सिंह फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

भरावन (हरदोई)। विकास खण्ड भरावन के भटपुर घाट पर शुक्रवार को भारतीय किसान मजदूर यूनियन सर्व समाज ने विद्युत विभाग और विकास कार्यों को लेकर व्यापाक धरना प्रदर्शन किया।

शुक्रवार को प्रात: से ही हरदोई जनपद के सीतापुर बॉर्डर के गोमती नदी तट पर किसानों का जमावड़ा होने लगा बिजली की मुख्य समस्या को लेकर धरना प्रदर्शन करने पर किसान विवश दिखे प्रशासन की तरफसे नायब तहसीलदार एविद्युत विभाग के जेई सूरज गुप्ता व थाना प्रभारी बंदोबस्त व्यवस्था में डटे रहे। वहीं किसान जय जवान जय किसान का नारा लगाते रहे उन्होंने अपनी मांगों को ज्ञापन बनाकर रखा किंतु वह चाहते थे की एसडीएम महोदय या सक्षम अधिकारी उपस्थित होकर उनकी बात सुने क्योंकि विगत दिनों जखवा पावर हाउस पर धरना हुआ और कई बार विद्युत विभाग के अधिकारियों को लिखित रूप से सूचित भी किया गयाए उन्होंने आश्वासन भी दिया किंतु कोई भी कार्य पूर्ण नहीं किया, जिससे किसान दुखी हैं और वह सक्षम अधिकारी के सामने अपनी बात रखना चाहते थे और किसानों का कहना है कि हम देश के यदि अन्नदाता हैं तो सक्षम अधिकारी स्वयं चलकर क्यों नहीं आता और हमारे मुद्दों का निवारण क्यों नहीं करता है। मुझे ऑफिसो में चक्कर लगाने के लिए क्यों विवस होना पड़ता है। भारतीय किसान मजदूर यूनियन के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व मिला भारतीय किसान मजदूर यूनियन सर्व समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुशील सिंह चौहान ने बताया हमारे मुद्दे विकास खण्ड भरावन के विभागों की लापरवाही के खिलाफ है जनता पीड़ित हो रही है अधिकारी एसी में मौज कर रहे है चाहे बिजली को लेकर समस्या हो या गांव में विकास कार्यों को लेकर हो कई गाँवों में गंदगी से नालियां पटी हैं तो कही सम्पर्क मार्ग टूटा पड़ा है। वहीं जिलाध्यक्ष सुनील तिवारी ने भी बदहाल विकास कार्यों पर सवाल उठाते हुए मुख्य सम्पर्क मार्ग में गन्दगी गौशाला में गाये मर रही है, बिजली विभाग का हाल ऐसा है कि ग्रामीणों से बिल के नाम पर अवैध वसूली हो रही है तो कही ट्रांसफार्मर फुक्रे पड़े हैं। कुछ गाँवों में महीनों से बिजली गुल है। कार्यवाहक जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने बताया कि हमारे कुल 17 मुद्दे जन समस्याओ को लेकर है जिसका ज्ञापन एसडीएम संडीला अरुणिमा श्रीवास्तव को दिया गया और 15 दिन का समय दिया है अगर समस्याओ का निवारण नहीं हुआ तो तहसील का घेराव होगा। फिर भी न हुआ तो मुख्यमंत्री आवास की तरफकूच या आर पार की लड़ाई लड़नें को विवश होंगे किंतु अब रुकना नहीं है। धरने पर बैठी कूड़ा निवासी सोनेश्वरी पत्नी मोहन लाल ने बताया मीटर चेक करने आये व्यक्ति ने बताया कि वह एसडीओ के बाबू हैं और बिल के नाम पर 6 हजार रुपए वसूल ले गए फोन मिलाओ तो बोलते है एसडीओ को दे दिया। भूपेंद्र सिंह ने बताया कि चंदीपुर गांव में एक महीने से घाटमपुर में एक हप्ते से ट्रांसफार्मर खराब पड़ा है शिकायत के बावजूद भी कोई सुनवाई न हो रही। ग्राम पंचायत भटपुर के ग्राम देवरी, सैयापुर भटपुर मार्ग का विद्युतीकरण, ग्राम कुंडा में ट्रांसफार्मर का केवी बढ़ाने के सम्बन्ध में और कई ग्राम पंचायत में खराब है।

सफाई को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश दिखा

भूपेंद्र सिंह ने बताया सफाई कर्मी कभी देखने तक न आते गंदगी के कारण बीमारिया फ़ैल रही है बच्चे आय दिन बीमार होते है सफाई कर्मी अधिकारियो के शरण में पड़े रहते है कभी गांव नहीं आते। धरना प्रदर्शन में युवा जिलाध्यक्ष अध्यक्ष राहुल कुमार, शिवलाल मौर्या, गुलाब तिवारी के साथ सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

सड़क व अन्य समस्याओं के निराकरण हेतु व्यापार मंडल ने नप अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष सुयश गुप्ता ने नगर पंचायत अध्यक्ष अनुराग मिश्रा को सदर बाजार की सड़क न बनने से नगर के व्यापारियों को हो रही परेशानी व अन्य समस्याओं से सम्बंधित एक ज्ञापन सौंपा जिस पर अध्यक्ष ने अवगत कराया कि आज या कल से ही काम शुरू हो जाएगा एवं जो सड़क बन चुकी है उस पर 24 जून से इंटरलॉकिंग का काम शुरू हो जाएगा। उसके साथ ही नगर की अन्य समस्याओं को भी व्यापार मंडल ने ज्ञापन के माध्यम से अध्यक्ष को अवगत कराया जिसमें प्रमुख रूप से पीने हेतु जल, कूड़ादान, शाम को बाजार में हाई मास्क लाइट की व्यवस्था एवं सीसीटीवी कैमरा मुख्य जगह पर लगवाए जाएं।

इस मौके पर व्यापार मंडल के प्रतिनिधिगण अनुभव गुप्ता,विश्वनाथ सोनी, राजीव गुप्ता, शिवम् ओमर, शिवेंद्र सिंह, निखिल ओमर, रोहित गुप्ता, इशू गुप्ता, क्षितिज गुप्ता, अभय त्रिवेदी, सौरभ गुप्ता मौजूद रहे।

फर्जी फर्मों से आईटीसी के जरिये लगाई करोड़ की चपत, दो को टीम ने किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। डी0जी0जी0आई0 लखनऊ जोन की टीम ने हरदोई के कर अधिवक्ता और चुनाव लड़ चुके युवक को गिरफ्तार कर दोनों 14 दिन की रिमांड पर लिया है हरदोई समेत प्रदेश के चार शहरों में 21 ठिकानों पर छापा मारा था 20 फर्जी फर्म बनाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के जरिये सरकार को 60 करोड़ रुपये से ज्यादा को चपत लगाने का मामला सामने आया है। वस्तु एवं सेवाकर सूचना महानिदेशालय लखनऊ की आंचलिक इकाई की टीम ने पूरे मामले का खुलासा किया है। शहर के आजाद नगर निवासी अधिवक्ता संदीप कुमार श्रीवास्तव और सिनेमा चौराहा निवासी नितिन द्विवेदी को गिरफ्तार किया है। बताते चलें कि नितिन द्विवेदी सवायजपुर से विधानसभा का चुनाव निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर लड़ चुका है जिससे वहां पर हार का सामना करना पड़ा था इन दोनों लोगों ने मिलकर 20 फर्जी फर्मे बनाकर आईटीसी जनरेट कर ली यही गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को लखनऊ में बृहस्पतिवार को विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ;कस्टमद्ध के सामने पेश किया गया। डीजीजीआई ;डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस लखनऊ श्जोनद्ध दोनों को 14 दिन की रिमांड पर लिया है। पूछताछ के दौरान यह पता चला कि सिनेमा चौराहा निवासी नितिन द्विवेदी के इशारे पर संदीप ने फर्जी फर्मों के नाम पर आईटीसी जनरेट की। 20 कंपनियों के 254 करोड़ रुपये के फर्जी बिल काटकर 60 करोड़ रुपये का खेल किया गया। डीजीजीआई की लखनऊ जोन की टीम ने बीते बुधवार को सदेह होने पर आजाद नगर निवासी संदीप कुमार श्रीवास्तव के मकान पर छापा मारा था। संदीप कर अधिवक्ता है कई घंटे तक अभिलेखों की जांच के बाद टीम उन्हें साथ ले गई थी। बुधवार से बृहस्पतिवार के बीच डोजीजीआई की टीम ने हरदोई, बाराबंकी, लखनऊ और रायचरेली आदि स्थानों पर छापेमारी की है गुरुवार सुबह नितिन के इशारे पर फर्जी फर्म की आईटीसी जनरेट की कार्रवाई के दौरान पता चला कि सिनेमा चौराहा निवासी नितिन द्विवेदी के इशारे पर संदीप ने फर्जी फर्मों के नाम पर आईटीसी जनरेट की। 20 कंपनियों के 254 करोड़ रुपये के फर्जी बिल काटकर 60 करोड़ रुपये का खेल किया गया। डीजीजीआई की लखनऊ जोन की टीम ने बीते बुधवार को सदेह होने पर आजाद नगर निवासी संदीप कुमार श्रीवास्तव के मकान पर छापा मारा था।

कृषक गोष्ठी का किया गया आयोजन

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकासखण्ड हरपालपुर के खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में भी कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरुकता कार्यक्रम तथा त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम योजनान्तर्गत विकास खण्ड स्तरीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अनोखेलाला कश्यप, ब्लाक प्रमुख, हरपालपुर द्वारा दीप प्रज्जवलन करके किया गया। इस अवसर पर कृषकों को नि:शुल्क बीज मिनीकिट वितरित की गई। ब्लाक प्रमुख, ने कृषकों को सम्बोधित करते हुये कहा कि किसान भाई कृषि विभाग से जुड़ कर सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं तथा खेती की नवीन तकनीकी जानकारी प्राप्त करके अपनी लागत में कमी लाते हुये आय में वृद्धि कर सकते हैं। प्रेमचन्द्र कुशवाहा, सलाहकार, एन0एफ0एस0एम0, हरदोई ने कृषकों को सम्बोधित करते हुये धान, मक्का, बाजरा, उड़द, मूंग, तिल आदि खरीफ फसलों की वैज्ञानिक विधियों से खेती के बारे में विस्तृत जानकारी दी साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषि यंत्रों पर अनुदान, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, फसल बीमा योजना जैसी महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओ की जानकारी दी। उक्त कार्यक्रम के अवसर पर मनीष कुमार, प्रभारी राजकीय कृषि बीज भण्डार, हरपालपुर ने कृषकों को श्री अन्न (मिलेट्स) की खेती हेतु बीज, उर्वरक, कीटनाशक, सिंचाई जल आदि कृषि निवेशों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी साथ ही अवगत कराया कि मिलेट्स शुष्क क्षेत्रों और कम उपजाऊ भूमि में भी अच्छी उपज दे सकते हैं तथा इनमें सूखा सहन करने की क्षमता होती है। कृषि विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा किसानों को वैज्ञानिक तरीकों से खेती करने के लिये प्रोत्साहित किया गया कर्मचारियों द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजनाओं की जानकारी भी दी गई। उक्त कार्यक्रम के मौके पर कृषि विभाग के समस्त कर्मचारियों सहित भारी संख्या में कृषक भाई उपस्थित रहे।

आवश्यकता है

माधुरी सिंह महाविद्यालय आदमपुर साण्डी-हरदोई

(सम्बद्ध लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ)

परास्नातक स्तर पर कला एवं विज्ञान संकाय हेतु सहायक आचार्यों की

हिंदी-02 पद, समाजशास्त्र-02पद, भूगोल-02 पद, जन्तु विज्ञान-02, भौतिक विज्ञान-02 पद, गणित-02 पद,

योग्यता एवं वेतनमान-यू0जी0सी0 तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के मानकानुसार होंगे।

इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन 1 सप्ताह में महाविद्यालय के पते पर भेजें।

प्रबंधक

अमित कुमार

मो0-9919440000

मोदी-ट्रंप वार्ता

यह ध्रुव सत्य है कि अमेरिका की तमाम रीतियां व नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाते हैं। जहां उसे अपने आर्थिक व सामरिक हित नजर आते हैं, वहीं उसकी सभी रीति-नीतियां ठहर जाती हैं। दशकों से आतंक की पाठशाला चला रहे पाकिस्तान को आंतकवाद के खिलाफ कथित साझेदारी के लिये उपकृत करने वाले अमेरिका के मंसूबों को समझा जा सकता है। विडंबना यह है कि पिछले एक महीने से भी ज्यादा समय से अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान को कथित रूप से युद्ध विराम के लिये सहमत कराने के लिये खुद की ही पीठ थपथपा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उन्होंने दस मई को अमेरिका की मध्यस्थता में देर रात तक बातचीत के दावे के बाद कथित रूप से पूर्ण और तत्काल युद्ध विराम की घोषणा करके दुनिया को चौंका दिया था। पल-पल अपना रुख बदलने के लिये कुख्यात ट्रंप इस विवादास्पद मामले पर अपनी बात मनवाने पर अड़े हुए हैं। मगर बार-बार उनके द्वारा दोहराए जाने वाले दावे भारत की परेशानी का सबब बन रहे हैं। भारत ने ऐतिहासिक रूप से द्विपक्षीय विवादों को तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से दूर रखा है। अब, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिकॉर्ड को सही करने का प्रयास किया है, और वह भी खुद अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि भारत ने इस्लामाबाद के अनुरोध पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ हमलों को रोक दिया था, न कि मध्यस्थता या अमेरिका द्वारा किसी व्यापार सौदे की किसी पेशकश के कारण। यह दावा डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रचार को सिरे से खारिज करता है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को समझाने के लिये व्यापार कार्ड का इस्तेमाल किया था। लेकिन इसके बावजूद बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री की सीधी बात ट्रंप को समझ आएगी? क्या ये बातचीत ट्रंप को भारत व पाक मामलों में हस्तक्षेप करने से रोके पाएगी? लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया कारगुजारियों से तो ऐसा होता नजर नहीं आता। पहले बात अमेरिका को स्पष्ट समझा दी जानी चाहिए कि जब भारत व पाक को एक तराजू में तोलने की भूल न करे। हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान जिस तरह ट्रंप प्रशासन ने विवादास्पद पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर को तरजीह दी, उसका कोई तार्किक आधार नजर नहीं आता। बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की लंच पर मेजबानी करके नवीनतम भड़काऊ कदम ही उठाया है। उसे देखते हुए यह संभावना असंभव ही लगती है कि ट्रंप दोनों देशों के मामलों में हस्तक्षेप करने से बाज आएंगे। यह वही मुनीर आलम है जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले से बमुश्किल एक सप्ताह पूर्व कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था। इसके अलावा उन्होंने संकीर्ण सांप्रदायिक टिप्पणियां भी की थी। यह बात अतार्किक ही लगती है कि अमेरिका पाक को अपने साथ आतंकवाद विरोधी साझेदारी को मजबूत करने में उनकी भूमिका के लिये पुरस्कृत कर रहा है। दोनों देशों के बीच पक रही यह खिचड़ी भारतीय कूटनीति के लिये एक बड़ी चुनौती कही जा सकती है। मोदी सरकार को पाकिस्तान को खुले समर्थन को लेकर अमेरिका का सामना करने के पक्ष और विपक्ष के हमलों का मुकाबला करना होगा। निश्चित रूप से दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से पीड़ित भारत इस स्थिति को हल्के में नहीं ले सकता। भारत को पाकिस्तान द्वारा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण के प्रयासों को विफल करने के लिये हर संभव प्रयास करने होंगे। अब चाहे अमेरिका को ये पसंद आए, चाहे न आये। भारत के लिये यह कूटनीतिक चुनौती है और देशकाल परिस्थितियों के अनुरूप भारत को अपनी रीतियों-नीतियों को नए सिरे से निर्धारित करना चाहिए। यह जानते हुए कि हमारा दशकों से विश्वसनीय साथी व महाशक्ति रहा रूस आज उतनी मजबूत स्थिति में नहीं है। लंबे खिंच रहे यूक्रेन संघर्ष ने रूस की अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक जगत में कभी मजबूत रही स्थिति को कमजोर ही किया है। ऐसे में भारत को बदलते परिदृश्य में कूटनीति को नये सिरे से परिभाषित करना होगा।

> **भारत ने ऐतिहासिक रूप से द्विपक्षीय विवादों को तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से दूर रखा है। अब, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिकॉर्ड को सही करने का प्रयास किया है, और वह भी खुद अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि भारत ने इस्लामाबाद के अनुरोध पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ हमलों को रोक दिया था, न कि मध्यस्थता या अमेरिका द्वारा किसी व्यापार सौदे की किसी पेशकश के कारण।**

इजराइल-ईरान युद्ध के बीच भारत की भूमिका

प्रहलाद सबनानी

> **वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां बहुत सहज रूप से नहीं चल रही है। विभिन्न देशों के बीच विश्वास की कमी हो गई है जिसके चलते छोटे-छोटे मुद्दों को तूल दी जाकर आपस में खटास पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। कुछ देश, दो देशों के बीच, इन मुद्दों को हवा देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जैसे आतंकवाद के मुद्दे को ही लें, यदि ये देश आतंकवाद से स्वयं ग्रसित हैं तो इनके लिए आतंकवाद बुराई की जड़ है और यदि कोई अन्य देश आतंकवाद को लम्बे समय से झेल रहा है तो इन देशों के लिए आतंकवाद कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है।**

रूस-यूक्रेन एवं इजराइल-हमास के बीच युद्ध अभी समाप्त भी नहीं हुआ है और तीसरे मोर्चे इजराइल-ईरान के बीच भी युद्ध प्रारम्भ हो गया है। हालांकि इस बीच भारत-पाकिस्तान के बीच भी युद्ध छिड़ गया था परंतु भारत की बड़े भाई की भूमिका के चलते इस युद्ध को शीघ्रता से समाप्त करने में सफलता मिल गई थी। दो देशों के बीच युद्ध में किसी एक देश का फायदा नहीं होकर बल्कि दोनों ही देशों का नुकसान ही होता है। परंतु, आवेश में आकर कई बार दो बड़े देश भी आपस में टकरा जाते हैं एवं इन दोनों देशों के पक्ष एवं विपक्ष में कुछ देश खड़े हो जाते हैं जिससे कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित हो जाती हैं कि विश्व युद्ध छिड़ जाते हैं। वर्ष 1914 से वर्ष 1918 के बीच प्रथम विश्व युद्ध एवं वर्ष 1939 से वर्ष 1945 के बीच द्वितीय विश्व युद्ध इसके उदाहरण हैं। इजराइल - ईरान के बीच हाल ही में प्रारम्भ हुए युद्ध में अमेरिका भी कूदने की तैयारी करता हुआ दिखाई दे रहा है। अगर ऐसा होता है तो बहुत सम्भव है कि ईरान की सहायता के लिए रूस एवं चीन भी इस युद्ध में कूद पड़ें एवं यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का स्वरूप ले ले। ऐसा कहा जा रहा है कि इजराइल एवं अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन करवाना चाह रहे हैं ताकि ईरान में उनके हितों को साधने वाली सरकार स्थापित हो सके। वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां बहुत सहज रूप से नहीं चल रही है। विभिन्न देशों के बीच विश्वास की कमी हो गई है जिसके चलते छोटे-छोटे मुद्दों को तूल दी जाकर आपस में खटास पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। कुछ देश, दो देशों के बीच, इन मुद्दों को हवा देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जैसे आतंकवाद के मुद्दे को ही लें, यदि ये देश आतंकवाद से स्वयं ग्रसित हैं तो इनके लिए आतंकवाद बुराई की जड़ है और यदि कोई अन्य देश आतंकवाद को लम्बे समय से झेल रहा है तो इन देशों के लिए आतंकवाद कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। बल्कि, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को प्रोत्साहन दिया जाता हुआ दिखाई दे रहा है। चौधरी बन रहे कुछ देश अपनी विस्तरवादी नीतियों के चलते कई देशों में अपने हित साधने वाली सरकारों की स्थापना करना चाह रहे हैं एवं इन देशों में इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित करने के प्रयास कर रहे हैं ताकि ये देश आपस में लड़ाई प्रारम्भ करें। रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध इसका जीता जागता उदाहरण है । साथ ही, कुछ देशों की कथनी और करनी में पाए जाने वाले फर्क के चलते भी वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां बिगड़ रही हैं। चौधरी बन रहे देशों को तो उदाहरण पेश करते हुए अपनी कथनी एवं करनी में फर्क को समाप्त करना ही होगा। अन्यथा, वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां भयावह स्तर तक पहुंच सकती हैं। चूंकि इजराइल भी आतंकवाद से पीड़ित देश है एवं इजराइल की सीमाएं चार मुस्लिम राष्ट्रों से जुड़ी हुई हैं; यथा, उत्तर में लेबनान, दक्षिण पश्चिम में ईजिप्ट (एवं गाजा), पूर्व में जॉर्डन (एवं वेस्ट बैंक) एवं उत्तर पूर्व में सीरिया। अतः इजराइल अत्यधिक आक्रात्मकता के साथ आतंकवादियों (हमास एवं हूथी आदि संगठनों) से युद्ध करता रहता है। इस्लाम के अनुयायी यहूदियों के कट्टर दुश्मन हैं, इसके चलते भी इजराइल के नागरिकों को आतंकवाद को लम्बे समय से झेलना पड़ रहा है। ईरान के बारे में तो कहा जा रहा है कि ईरान स्थित लगभग 60 प्रतिशत मस्जिदों में इबादत के लिए कोई भी व्यक्ति पहुंच ही नहीं रहा है क्योंकि ईरान में एवं ईरान द्वारा पड़ोसी देशों में फैलाए गए आतंकवाद से ईरान के मूल नागरिक अत्यधिक परेशान हैं। महिलाओं पर आतंकवादियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों से स्थानीय नागरिक बहुत दुखी हैं। अतः अब वे अपने पुराने धर्म जोरोस्ट्रीयन को अपनाने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं अथवा इस्लाम धर्म का परित्याग करना चाह रहे हैं। जोरोस्ट्रीयन, ईरान का मूल धर्म हैं एवं यह अब ईरान के कुछ (बहुत कम) क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है। भारत में भी जोरोस्ट्रीयन धर्म को मानने वाले पारसी समुदाय के कुछ नागरिक शांतिपूर्वक रह रहे हैं एवं भारत के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। वैश्विक स्तर पर निर्मित हो रही उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत की विशेष भूमिका रह सकती है क्योंकि भारत के इजराइल एवं ईरान दोनों ही देशों के साथ आर्थिक रिश्ते बहुत मजबूत हैं। भारत, ईरान से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता रहा है एवं भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारी आर्थिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान की है। चाबहार बंदरगाह का संचालन भी ईरान की सरकार के साथ भारतीय इंजीनियरों द्वारा ही किया जा रहा है। भारत और ईरान के बीच प्रतिवर्ष 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है। दूसरी ओर, इजराइल भारत का रणनीतिक साझीदार है। भारत इजराइल से भारी मात्रा में सुरक्षा उपकरण भी खरीदता है। भारत और इजराइल के बीच प्रतिवर्ष 650 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है, इसमें भारत द्वारा इजराइल से आयात किये जाने वाले सुरक्षा उपकरणों की राशि शामिल नहीं है। कुल मिलाकर, भारत के इजराइल एवं ईरान, दोनों देशों के साथ बहुत पुराने व्यापारिक एवं सांस्कृतिक रिश्ते हैं। भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में ल्लवसुधैव कुटुम्बकमङ्क; ल्लसर्वजन हिताय सर्वजन सुखायङ्क एवं ल्लसर्वे भवंतु सुखिनःङ्क की भावना पर विश्वास किया जाता है। अतः भारतीय नागरिक सामान्यतः शांत स्वभाव के होते है एवं पूरे विश्व में ही भ्रातत्व के भाव का संचार करते हैं। आज चार करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विभिन्न देशों के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। इन देशों में होने वाले अपराधों में भारतीय मूल के नागरिकों की संलिप्तता लगभग नहीं के बराबर पाई गई है। इसी कारण के चलते आज वियतनाम, जापान, इजराइल, आस्ट्रेलिया एवं सिंगापुर जैसे कई देश भारतीय मूल के नागरिकों को अपने देश में कार्य करने एवं बसाने में सहायता करते हुए दिखाई दे रहे हैं। खाड़ी के देश यथा ओमान, बहरीन, सऊदी अरब, यूनाइटेड अरब अमीरात आदि में भी लाखों की संख्या में भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं शांतिप्रिय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कुल मिलाकर, विभिन्न देशों में निवासरत भारतीय मूल के नागरिकों का रिकार्ड बहुत ही संतोषजनक पाया जाता है, क्योंकि, भारतीयों की मूल प्रकृति ही सनातन हिंदू संस्कारों के अनुरूप पाई जाती है एवं वे किसी भी प्रकार के कर्म में धर्म को जोड़कर ही इसे सम्पन्न करने का प्रयास करते हैं। और, धर्म के अनुरूप किये गए किसी भी कार्य से किसी का अहित हो ही नहीं सकता। उक्त वर्णित परिप्रेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर जब चौधरी बन रहे देशों द्वारा अन्य देशों के साथ न्याय नहीं किया जाता हुआ दिखाई दे रहा है तो ऐसे में भारत को आगे आकर युद्ध में झोंके जा रहे देशों के नागरिकों की मदद करनी चाहिए। भारत की तो वैसे भी नीति ही वसुधैव कुटुम्बकम की है। यदि पूरे विश्व में भाईचारा फैलाना है तो सनातन हिंदू संस्कृति के अनुपालन से ही यह सब सम्भव हो सकता है। उक्त परिस्थितियों के बीच सनातन हिंदू संस्कृति की स्वीकार्यता विभिन्न देशों के नागरिकों की बीच तेजी से बढ़ भी रही है क्योंकि कई देश अब आतंकवाद से बहुत अधिक परेशान हो चुके हैं। अतः अब वे किसी तीसरे रास्ते की तलाश में हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच उनके पास अब विकल्प केवल सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को अपनाने का ही बचता है, जिसके प्रति वे लालायित भी हैं। और फिर, आतंकवाद से यदि छुटकारा पाना है तो इससे लड़ते हुए छुटकारा पाने में तो कुछ देशों को कई प्रकार के बलिदान देने पड़ सकते हैं और यदि सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को स्वीकार कर लिया जाता है तो कई देशों के नागरिकों को इस बलिदान से बचाया जा सकता है। अतः विश्व के देशों में सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को तेजी से वहां के स्थानीय नागरिकों के बीच किस प्रकार फैलाया जा सकता है, इस विषय पर विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से अब गहन चिंतन एवं मनन करने की आवश्यकता है।

डूंगरपुर के लोक में बसा बालिका कालीबाई का बलिदान

रमेश शर्मा

> **कालीबाई एक तेरह वर्षीय वनवासी बालिका थी। यह राजस्थान के डूंगरपुर जिले के वनांचल की रहने वाली थी। कालीबाई का जन्म कब हुआ इसका इसका उल्लेख कहीं नहीं मिलता। अनुमानतः कालीबाई का जन्म जून 1934 माना गया। अंग्रेजीकाल में चर्च ने वनवासी अंचलों में अपने विद्यालय आरंभ करने का अभियान चलाया हुआ था। जिनका उद्देश्य वनवासी समाज को उनके मूल से दूर करना था। उनकी शिक्षा की शैली कुछ ऐसी थी कि वनवासी क्षेत्र में मतान्तरण तेजी से होने लगा था। उस समय के अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और सामाजिक सांस्कृतिक संगठन इसके लिये चिंतित थे। विशेषकर ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जो आर्यसमाज या राम-कृष्ण मिशन से जुड़े हुये थे उनमें यह भाव अधिक प्रबल था। राजस्थान में स्वामी दयानन्द सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के बहुत प्रवास हुये थे इसलिये राजस्थान क्षेत्र में इन दोनों संस्थाओं का प्रभाव था । सुप्रसिद्ध स्वाधीनता सेनानी नानाभाई खांट आर्यसमाज से जुड़े थे। उन्होंने डूंगरपुर जिले के रास्तापाल गांव में एक विद्यालय आरंभ किया।**

यह घटना उन दिनों की है जब अंग्रेजों ने भारत से जाने की घोषणा कर दी थी और भारत विभाजन की प्रकिया भी आरंभ हो गई थी। लेकिन अंग्रेज जाते जाते कुछ ऐसा करके जाना चाहते थे चर्च की जमाशट पर कोई अंतर न आये और न उनकी कोई सांस्कृतिक परंपरा प्रभावित हो। इसके लिये उनके कुछ स्लीपर सेल सक्रिय थे जो देशभर में काम रहे थे। इसी षड्यंत्र में इस बालिका का बलिदान हुआ। कालीबाई एक तेरह वर्षीय वनवासी बालिका थी। यह राजस्थान के डूंगरपुर जिले के वनांचल की रहने वाली थी। कालीबाई का जन्म कब हुआ इसका इसका उल्लेख कहीं नहीं मिलता। अनुमानतः कालीबाई का जन्म जून 1934 माना गया। अंग्रेजीकाल में चर्च ने वनवासी अंचलों में अपने विद्यालय आरंभ करने का अभियान चलाया हुआ था। जिनका उद्देश्य वनवासी समाज को उनके मूल से दूर करना था। उनकी शिक्षा की शैली कुछ ऐसी थी कि वनवासी क्षेत्र में मतान्तरण तेजी से होने लगा था। उस समय के अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और सामाजिक सांस्कृतिक संगठन इसके लिये चिंतित थे। विशेषकर ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जो आर्यसमाज या राम-कृष्ण मिशन से जुड़े हुये थे उनमें यह भाव अधिक प्रबल था। राजस्थान में स्वामी दयानन्द सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के बहुत प्रवास हुये थे इसलिये राजस्थान क्षेत्र में इन दोनों संस्थाओं का प्रभाव था । सुप्रसिद्ध स्वाधीनता सेनानी नानाभाई खांट आर्यसमाज से जुड़े थे। उन्होंने डूंगरपुर जिले के रास्तापाल गांव में एक विद्यालय आरंभ किया। विद्यालय में वनवासी बच्चों की शिक्षा का प्रबंध किया गया था । विद्यालय में उस समय की आधुनिक शिक्षा तो दी जाती थी पर भारतीय गुरु शिष्य परंपरा को भी जीवंत किया था। विद्यालय ने शाम को एक प्रार्थना सभा का आरंभ भी किया। जिसमें वनवासी परिवार भी आने लगे। इस विद्यालय में मुख्य शिक्षक सेंगाभाई थे। वनवासी बालिका कालीबाई भी यहां पढ़ने आती थी । यह भील समाज से संबंधित थी। उसकी आयु अनुमानित तेरह वर्ष थी। यह क्षेत्र डूंगरपुर रियासत के अंतर्गत आता था। आर्यसमाज ने विद्यालय आरंभ करने की अनुमति महारावल डूंगरपुर से ले ली थी। इस क्षेत्र में एक चर्च भी सक्रिय था। इस विद्यालय और उसकी गतिविधि से वनवासी समाज चर्च से दूर होने लगा। चर्च को आपत्ति हुई। चर्च ने कमिश्नर को शिकायत की। अंग्रेजों ने भले भारत से जाने की घोषणा कर दी थी पर उनकी पूरी प्रशासनिक व्यवस्था और रियासतों पर रुतबा कम न हुआ था। शिकायत मिलते ही कमिश्नर ने डूंगरपुर के महारावल पर दबाब बनाया और विद्यालय बंद करने के आदेश हो गये। आदेश मिलते ही नानाभाई ने विद्यालय तो यथावत रखा और उन्होने महाराज से मिलने का प्रयास किया लेकिन अनुमति न मिली। मिलने का समय टाला गया। नानभाई को आशा थी महाराज से मिलने के बाद अनुमति यथावत हो जायेगी, इसलिये विद्यालय बंद न हुआ । वे यह भी जानते थे कि अंग्रेज तो जाने वाले हैं। तब चर्च और अंग्रेज अधिकारियों के आगे क्यों झुकना। उनके इनकार करने से अधिकारी बौखला गये। भारी पुलिस बल के साथ अधिकारी विद्यालय पहुंचे। वे ताला लगाकर विद्यालय सील करना चाहते थे । किन्तु शिक्षक सेंगाभाई ने विद्यालय के द्वार पर खड़े होकर रास्ता रोकना चाहा। पुलिस ने पकड़ कर किनारे किया और विद्यालय पर ताला लगा दिया । शिक्षक सेंगाभाई को रस्सी से गाड़ी के पीछे बांध दिया गया। गाड़ी रवाना हुई तो शिक्षक सेंगाभाई घसीटते हुये जा रहे थे । उनका पूरा शरीर लहूलुहान हो गया । रास्ते में कालीबाई खेत में काम कर रही थी । उसने देखा कि उनके गुरु को पुलिस गाड़ी में पीछे बांधकर घसीटते हुये लेकर जा रही है। कालीबाई के हाथ में हंसिया था । वह हंसिया लेकर दौड़ी और रस्सी काट दी। पुलिस इससे और बौखला गई। पुलिस ने गोलियां चला दीं। पुलिस की गोली से कालीबाई का शरीर छलनी हो गया। गोली की आवाज सुनकर भील समाज एकत्र हो गया। सबने शिक्षक की दुर्दशा और अपनी बेटी का शव देखा। पूरा भील समाज आक्रोशित हो गया और पुलिस दोनों को छोड़कर भाग गई। कालीबाई का बलिदान मौके पर ही हो गया था। यह घटना 19 जून 1947 की बताई जाती है। सेंगाभाई इतने घायल हो गये थे कि रात में उनका भी प्राणांत हो गया। अगले दिन 20 जून को दोनों का अंतिम संस्कार किया गया। गुरु के प्राण बचाने के लिये बालिका कालीबाई का बलिदान इतिहास की पुस्तकों में आज भी लोकगीतों के रूप में दर्ज है। स्वतंत्रता के बाद उस स्थान पर एक पार्क बनाया गया है। इस पार्क में कालीबाई की प्रतिमा भी स्थापित है।

योग-क्रांति से नये मानव एवं नये विश्व की संरचना संभव

ललित गर्ग

> **आज जबकि मनुष्य जीवन अनेक असाध्य बीमारियों से जूझ रहा है, ऐसे जटिल स्वास्थ्य-संकट के दौर में इस थीम का मुख्य उद्देश्य है कि हमें हमारे स्वास्थ्य की देखभाल करनी चाहिए क्योंकि स्वास्थ्य एकमात्र ऐसी चीज है, जिसके सहारे आप अपना स्वस्थ जीवन जीते हुए न केवल परिवार, समाज, राष्ट्र बल्कि विश्व के लिये एक ऊर्ज़ा, एक शक्ति एवं एक गति बन सकते हो। प्रधानमंत्री मोदी ने योग को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने वाली जीवनशैली के रूप में स्वीकार किया।**

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा के दौर में दुनिया शांति एवं अमन चाहती है और इसका सशक्त माध्यम है योग। इंसान से इंसान को जोड़ने, शांति का जीवन जीने एवं स्वस्थ जीवन के लिये भारतीय योग के महत्व को दुनिया ने स्वीकारा है। योग भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है, यह दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीक है, मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य का आधार है, संयम और अहिंसा प्रदान करने वाला तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है। योग के व्यापक मानवहितकारी महत्व के कारण ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिये गये अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद सर्वप्रथम इसे 21 जून 2015 को पूरे विश्व में मनाया गया। इस वर्ष 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने योग दिवस की थीम 'योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' रखी है। इसे आसान भाषा में समझें तो 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योगा' है। इसका मतलब है कि जिस तरह से पृथ्वी एक है ठीक उसी प्रकार से हमारा स्वास्थ्य भी एकमात्र है, जिसे हमें दुरुस्त रखने की जरूरत है। इसी से नये मानव एवं नये विश्व की संरचना संभव है। आज जबकि मनुष्य जीवन अनेक असाध्य बीमारियों से जूझ रहा है, ऐसे जटिल स्वास्थ्य-संकट के दौर में इस थीम का मुख्य उद्देश्य है कि हमें हमारे स्वास्थ्य की देखभाल करनी चाहिए क्योंकि स्वास्थ्य एकमात्र ऐसी चीज है, जिसके सहारे आप अपना स्वस्थ जीवन जीते हुए न केवल परिवार, समाज, राष्ट्र बल्कि विश्व के लिये एक ऊर्ज़ा, एक शक्ति एवं एक गति बन सकते हो। प्रधानमंत्री मोदी ने योग को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने वाली जीवनशैली के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने समाज के सभी वर्गों में योग की पहुंच बढ़ाने और स्वस्थ, खुशहाल और अधिक सामंजस्यपूर्ण विश्व के निर्माण के लिए योग को एक साधन के रूप में उपयोग करने की दिशा में संयुक्त प्रयासों की अपील की। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि अपने भीतर एकता की भावना, अहिंसा एवं शांति, दुनिया और प्रकृति की खोज है। हमारी बदलती जीवन-शैली में यह चेतना बनकर, हमें जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न महासंकट से निपटने में मदद कर सकता है। योग एवं ध्यान के माध्यम से भारत दुनिया में गुरु का दर्जा एवं एक अनूठी पहचान हासिल करने में सफल हो रहा है। आज हर व्यक्ति एवं परिवार अपने दैनिक जीवन में अत्यधिक तनाव/दबाव महसूस कर रहा है। हर आदमी संदेह, अंतर्द्वंद्व और मानसिक उथल-पुथल की जिंदगी जी रहा है। मनुष्य के सम्मुख स्वस्थ-शांतिपूर्ण जीवन का संकट खड़ा है। मानसिक संतुलन अस्त-व्यस्त हो रहा है। मानसिक संतुलन का अर्थ है विभिन्न परिस्थितियों में तालमेल स्थापित करना, जिसका सशक्त एवं प्रभावी माध्यम योग ही है। योग एक ऐसी तकनीक है, एक विज्ञान है जो हमारे शरीर, मन, विचार एवं आत्मा को स्वस्थ करती है। यह हमारे तनाव एवं कुंठा को दूर करती है। जब हम योग करते हैं, श्वासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्राणायाम और कसरत करते हैं तो यह सब हमारे शरीर और मन को भीतर से खुश और प्रफुल्लित रहने के लिये प्रेरित करती है, जिसकी आज विश्व मानवता को सर्वाधिक अपेक्षा है। एक ऐसे विश्व में रहने की कल्पना करें जहां आपकी प्रत्येक सांस मानसिक शांति, शारीरिक शक्ति और हमारे साझा ग्रह पर सद्भाव को बढ़ावा देती हो। एक समय में एक मुद्रा, एक श्वास, एक क्षण, यह जानने के लिए कि योग किस प्रकार आपके जीवन और आपके आस-पास की दुनिया को बदल सकता है, योग दिवस का मुख्य ध्येय है। मनुष्य, पशु और पौधे सहित सभी जीवित प्राणी हमारे ग्रह को अपना घर मानते हैं। हमें प्राकृतिक दुनिया के साथ शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व बनाए रखते हुए इसकी देखभाल करनी चाहिए। योग हमें सद्भावना से रहना, सचेत रहना और समझदारी-विवेक से निर्णय लेना सिखाता है। हम योग का अभ्यास करके पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। पर्यावरण की स्थिति का सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। जब हम अपने पर्यावरण और खुद का ख्याल रखते हैं तो सभी को फायदा होता है। विश्व अनेक स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिकी समस्याओं का सामना कर रहा है, जिनमें प्रदूषण, तनाव और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ शामिल हैं। योग शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का एक त्वरित, प्राकृतिक साधन है। अभी कुछ दिन पहले ही समाचारपत्रों में पढ़ा कि कैंसर क्यों होता है, इसके कई कारण हैं। एक कारण यह है कि जो लोग मस्तिष्क का सही उपयोग करना नहीं जानते, उनके कैंसर हो सकता है। मस्तिष्क विज्ञानी तो यह भी कहते हैं कि मस्तिष्क की शक्तियों का केवल चार या पांच प्रतिशत उपयोग आदमी करता है, शेष शक्तियां सुप्त पड़ी रहती है। यह भी कहा जाता है कि कोई मस्तिष्क की शक्तियों का उपयोग सात या आठ प्रतिशत करने में समर्थ हो जाए तो वह दुनिया का सुपर जीनियस बन सकता है। सबसे पहले हमारी जानकारी मस्तिष्क विद्या के बारे में होनी चाहिए। योग विद्या भारत की सबसे प्राचीन विद्या है। योगविद्या के आचार्यों ने मस्तिष्क विद्या से दुनिया का परिचय कराया था। हमारे मस्तिष्क में एक पर्त है एनीमल ब्रेन की। वह पर्त सक्रिय होती है तो आदमी का व्यवहार पशुवत हो जाता है। जितने भी हिंसक और नकारात्मक भाव हैं, वे इसी एनीमल ब्रेन की सक्रियता का परिणाम है। इसे संतुलित करने का माध्यम योग है। हमें अपनी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम अपनी कमजोरियों पर ही नहीं, बल्कि उनसे उबरने के रास्तों पर भी विचार करेंगे। यहीं से हमारी तरक्की का रास्ता खुलता है और इसके लिये योग ही प्रभावी माध्यम है। हम अपनी समस्या को समझें और अपना समाधान खोजें। समस्याएं परेशान करती हैं। जरूरत खुद को काबू में रखने की होती है, हम दूसरों को काबू में करने में जुटे रहते हैं। आज विश्व में जो आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, साम्प्रदायिक विद्धेष की ज्वलंत समस्याएं खड़ी हैं, उसका कारण भी योग का अभाव ही है। विज्ञान ने यह प्रमाणित कर दिया है- जो व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, उसे योग को अपनाना होगा। बार-बार क्रोध करना, चिड़चिड़ापन आना, मूड का बिगड़ते रहना- ये सारे भाव हमारी समस्याओं से लडने की शक्ति को प्रतिहत करते हैं। इनसे ग्रस्त व्यक्ति बहुत जल्दी बीमार पड़ जाता है। हमें अपनी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम योग को अपनी जीवनशैली बनायेंगे। योग एवं ध्यान एक ऐसी विधा है जो हमें भीड़ से हटाकर स्वयं की श्रेष्ठताओं से पहचान कराती है। हममें स्वयं पुरुषार्थ करने का जज्बा जगाती है। स्वयं की कमियों से रू-ब-रू होने को प्रेरित करती है। स्वयं से स्वयं का साक्षात्कार कराती है। आज जरूरत है कि हम अपनी समस्याओं के समाधान के लिये औरों के मुंहताज न बने। ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका समाधान हमारे भीतर से न मिले। भगवान महावीर का यह संदेश जन-जन के लिये सीख बने- 'पुरुष! तू स्वयं अपना भाग्यविधाता है।' औरों के सहारे मुकाम तक पहुंच भी गए तो क्या? इस तरह की मंजिलें स्थायी नहीं होती और न इस तरह का समाधान कारगर होता है। आधुनिक भौतिकवादी एवं सुविधावादी जिंदगी मनुष्य को अशांति, असंतुलन, तनाव, थकान तथा चिड़चिड़ाहट की ओर धकेल रही हैं, जिससे अस्त-व्यस्तता बढ़ रही है। ऐसी विषमता एवं विसंगतिपूर्ण जिंदगी को स्वस्थ तथा ऊर्जावान बनाये रखने के लिये योग एक ऐसी रामबाण दवा है जो माइंड को कूल तथा बॉडी को फिट रखता है। योग से जीवन की गति को एक संगीत एवं शांतिमय रफ्तार दी जा सकती है। योग में गहरी दिलचस्पी लेने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक महान संकल्प लेकर उसे कार्यान्वित किया है। निश्चित ही उनकी योग-क्रांति विश्व मानवता के जीवन में विकास, अहिंसा, सुख और शांति का माध्यम बन रही है। आंतरिक व आत्मिक विकास, मानव कल्याण से जुड़ा यह विज्ञान सम्पूर्ण दुनिया के लिए एक महान तोहफा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया उन्नाव निर्वाचन कार्यालय का निरीक्षण

- स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा, सीसीटीवी और उपकरणों की व्यवस्था का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने आज जिला निर्वाचन कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी गौरांग राठी व विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी विधानसभा क्षेत्रों के स्ट्रॉन्ग रूम, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, गार्ड रूम आदि का अवलोकन किया और स्ट्रॉन्ग रूम में रखे वीवीपैट, बैलट यूनिट, कंट्रोल यूनिट तथा सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने विगत दिनों के सीसीटीवी फुटेज व गार्ड रजिस्टर की जांच की और निर्देश दिए कि प्रत्येक कैमरा 24 घंटे क्रियाशील रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाई रेजोलूशन कैमरे लगाए जाएं ताकि दृश्य स्पष्ट रहे। उन्होंने यह भी कहा कि स्ट्रॉन्ग रूम में रखे उपकरणों को वर्षा, सीलन और दीमक जैसे कीटों से पूरी तरह सुरक्षित रखा जाए। वायरिंग और प्रकाश की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए तथा अग्निशमन यंत्र सक्रिय स्थिति में मौजूद रहें। राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का निर्वाचन तंत्र विश्व के अन्य देशों की तुलना में अधिक सक्षम और पारदर्शी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मतदाता सूची संबंधी सुझाव नियमित रूप से लिए जाएं और उन पर कार्रवाई की जाए, ताकि मतदाता सूची को लेकर कोई विवाद न हो।

गार्ड रजिस्टर के अवलोकन के दौरान उन्होंने पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर को निर्देश दिए कि स्ट्रॉन्ग रूम जैसी संवेदनशील जगह की सुरक्षा में कोई लापरवाही न बरती जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि ड्यूटी पर तैनात गार्ड्स अपनी निर्धारित अवधि तक वहां उपस्थित रहें। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुशील कुमार गोंड, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शौर्य अरोड़ा, अपर पुलिस अधीक्षक प्रेम चंद्र, सहायक निर्वाचन अधिकारी आशुतोष मिश्रा, उप जिलाधिकारी सदर क्षितिज द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी सदर सोनम सिंह सहित विभिन्न अधिकारी-कर्मचारी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ऊंचाहार एक्सप्रेस कंचौसी रेलवे स्टेशन पर दो घंटे की देरी से पहुंची

औरैया। चंडीगढ़ से दिल्ली होकर प्रयागराज जाने वाली ऊंचाहार एक्सप्रेस शुक्रवार को अपने निर्धारित समय के बजाए दो घंटे की देरी से कंचौसी रेलवे स्टेशन पर पहुंची। इंतजार में बैठे मुसाफिर स्टेशन पर परेशान रहे। कई दूसरी ट्रेनें भी अपने निर्धारित समय से देरी से पहुंचीं। ट्रेन की देरी को देखते कई यात्री निजी वाहनों से गंतव्य की ओर निकल गए। बारिश के मौसम में कानपुर, रूरा , उन्नाव, फतेहपुर, प्रयागराज जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। भटिंडा से चलकर बालुरघाट जाने वाली फरक्का एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से बीस मिनट की देरी से कंचौसी रेलवे स्टेशन पहुंची। शिकोहाबाद कानपुर मेमू 15 मिनट की देरी से आई, जिससे कानपुर, पनकी धाम, भाऊपुर, रूरा, झींझक आदि स्थानों पर जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस संबंध में स्टेशन अधीक्षक दरबारी कुमार ने बताया कि ऊंचाहार एक्सप्रेस समेत कई गाड़ियां अपने निर्धारित समय से देर से स्टेशन पर पहुंची है। ट्रेनों के लेट होने की जानकारी हम लगातार यात्रियों को दे रहे हैं ताकि परेशान न हो।

पुलिस और लुटेरों के बीच मुठभेड़, दो लुटेरे गोली लगने से घायल, तीसरा गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

> एडिशनल एसपी अखिलेश सिंह ने बताया कि तीनों आरोपी पहले से आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और इनके नेटवर्क की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के आधार पर लूट से जुड़े अन्य मामलों का भी खुलासा किया जा सकता है।
> **अखिलेश सिंह**
> **एडिशनल एसपी**

- गंगाघाट क्षेत्र में हुई लूटकांड के तीनों आरोपी दबोचे, तमंचे, नकदी और जेवरात बरामद

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में दो दिन पहले हुई लूट की वारदात में शामिल तीनों आरोपियों से शुक्रवार सुबह पुलिस की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान दो लुटेरे पुलिस की गोली से घायल हो गए, जबकि तीसरे को पुलिस ने दौड़ाकर गिरफ्तार कर लिया। घायल लुटेरों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से अवैध असलहे, लूट की नकदी और जेवरात बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 18 जून को गोपीनाथपुरम इलाके में एक घर में घुसकर दिनदहाड़े लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। मामले की जांच में जुटी पुलिस को 20 जून की सुबह करीब 5:34 बजे सूचना मिली कि घटना में शामिल तीनों आरोपी गंगा गैलेक्सी के पास किसी नई वारदात की फिराक में हैं। सूचना पर गंगाघाट पुलिस, स्वॉट और सर्विलांस टीम ने मौके पर पहुंचकर इलाके की घेराबंदी की। जैसे ही पुलिस ने तीनों को घेरा, दो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश – दीपक और देवेंद्र – के पैरों में गोली लग गई। तीसरे आरोपी आशीष गुप्ता को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो तमंचे, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, एक बैग जिसमें लूटे गए 10 जोड़ी चांदी की पायल, 50 चांदी के सिक्के, सोने के टप्स और 21 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं।

तगादा करने जा रहे युवक को रास्ते में घेरकर बुरी तरह पीटा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। छेत्र में दबंगों के हौसले इतने ज्यादा बुलन्द हैं कि कहीं दिन दहाड़े बाइक सवार बदमाश ग्रामीण से नकदी छीन लेते हैं तो कहीं अवैध रूप से जमीनों पर कब्जा कर लेते हैं। गुरुवार को एक सनसनी खेज बारदात सामने आई है जहां एक युवक अपने उधार के पैसे लेने पड़ोसी गांव जा रहा था तो रास्ते में दबंगों ने युवक को घेरकर जान से मारने की नियत से जमकर पीटा।गंभीर रूप से घायल युवक को अधमरा छोड़कर दबंग उसकी बाइक और २६ हजार रुपए छीन ले गए।राहगीरों ने १०० दयाल पुलिस को सूचना दी।मौके पर पहुंची पुलिस घायल युवक को कांट सीएचसी लेकर आई जहां डाक्टरों ने मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। डाक्टरों के मुताबिक युवक की पसलियों में फ्रैक्चर है।

कांट थाना छेत्र के ग्राम ककड़घटा निवासी गोविन्द यादव द्वारा थाने पर दी गई तहरीर में बताया है कि वह गुरुवार को अपने गांव से पड़ोसी गांव सावदापुर बाइक से जा रहा था। रास्ते में ग्राम कुरसेली झाला के पास खड़े शिशुपाल, बीरपाल,सुरेश, सुरेन्द्र, परविंदर,हरबीर आदि ने युवक को घेरकर रोक लिया। शिशुपाल ने युवक से कहा कि उनके तेरह सौ पचास रुपए उधारी दे दो तभी जाने देंगे।बकौल गोविन्द उसने कहा कि उनके तेरह सौ रुपए हैं ले लो। इतने में उपरोक्त लोग गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से पीटने लगे।

काफी देर तक युवक को बुरी तरह पीटने के बाद दबंग लोग उसकी हीरो बाइक और २६ हजार रुपए छीन ले गए।युवक काफी देर तक रास्ते में बेहोश पड़ा रहा।राहगीरों ने सौ नम्बर पर फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस घायल युवक को अस्पताल ले गई।जहां डाक्टरों ने मेडिकल कालेज रेफर कर दिया।कांट कोतवाली प्रभारी सत्य सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है।फोर्स को मौके पर भेजा है। आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

बीमारी से परेशान युवक ने गोली मारकर की खुदकुशी

हमीरपुर। चिकासी गांव में शुक्रवार को एक युवक ने खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली है। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पाते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल से पुलिस ने अवैध असलहा बरामद किया है। चिकासी गांव के रहने वाले प्रशांत (44) ने अवैध असलहे से खुद को गोली मार ली, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर चिकासी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर जांच पड़ताल की। मौके से एक तमंचा व कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस ने घटना की जांच के लिए फील्ड यूनिट को लगाया है। सीओ आरके पांडेय ने बताया कि प्रशांत काफी समय से बीमारी से परेशान था। प्रारम्भिक जांच में यह मामला आत्महत्या का दिख रहा है। बताया कि शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। मृतक के भाई राजकुमार ने बताया कि कई सालों से बीमारी से प्रशांत त्रस्त होने के कारण मानसिक रूप से परेशान था, इसीलिए उसने आत्मघाती कदम उठाया है।

कालोनी स्वामी व कालोनीवासियों के बीच बढ़ी रार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- कालोनी स्वामी ने प्रतिष्ठित व्यापारी के विरुद्ध लिखाया मुकदमा
- विरोध में व्यापारी के साथ दर्जनों व्यापारियों ने कोतवाली गेट पर लगाया जाम
- सड़क पर बैठकर जमकर की नारेबाजी, कालोनी की महिलाएं भी पहुंची कोतवाली

शाहजहांपुर। जनपद के नामी गिरामी वृंदावन गार्डन कालोनी में क्लब को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है कालोनी मालिक और कालोनी वासियों के बीच दो दिन विवाद जारी है। वहां के रहने वाले लोगों का आरोप है कि कालोनी मालिकों की तरफ से देख लेने तक की धमकी दी गई थी । नक्शे में क्लब होने के बावजूद अब कालोनी मालिक क्लब में जाने नही दे रहे। वहीं कालोनी मालिक सुरेश सिंघल ने कहा कि क्लब हमारी निजी जमीन पर बना है। उसका कालोनी वासियों से कोई लेना-देना नही है। क्लब के चौकीदार को धमकी दी गई है। जिसकी तहरीर दे दी गई है। चौक कोतवाली क्षेत्र के अजीजगंज में वृंदावन गार्डन के नाम से कालोनी बनी है। जिसमे शहर के उद्योगपति विनय अग्रवाल से लेकर तमाम डाक्टर उसी कालोनी में रहते हैं। कालोनी वासी कालोनी के अंदर बने क्लब में जाने लगे तो उनको रोक दिया गया। विनय अग्रवाल का आरोप है कि जब हम सबने प्लाट खरीदने थे तब कहा गया था कि यहां पर कालोनी वासियों के लिए क्लब बनेगा, स्वीमिंग पूल भी बनाया जाएगा। आज जब बच्चों के साथ क्लब में आए तो व्यवस्थाएं अच्छी नही थीं।तब सोचा था कि शाम को दोबारा आएंगे। लेकिन तभी यहां के स्टाफ ने अभद्रता करना शुरू कर दी। जब हम लोग चले तो उन लोगों ने क्लब पर लगे बोर्ड को हटाने की कोशिश की तो फिर से कालोनी वासी इकट्ठा हुए हैं। उसके बाद फिर से कालोनी के मालिक लोगों ने आकर अभद्रता की है। जब क्लब में लगे नक्शे में क्लब बना हुआ है। वहीं कालोनी वासी सतीश सिंह जौहर ने कहा कि प्लाट खरीदने समय नक्शे में क्लब दिखाया गया था। अब वो लोग क्लब को अपनी निजी प्रापर्टी बता रहे हैं । विवाद की सूचना पर चौक कोतवाली इंस्पेक्टर अश्वनी कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस के सामने ही कालोनी मालिक और उनके साथ आए लोग जमकर बहस करने लगे। जिसके बाद पुलिस ने उनको रोका। फिलहाल कालोनी मालिक की तहरीर पर बीजेपी नेता विनय अग्रवाल सही कई लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं वृंदावन गार्डन के मालिक सुरेश सिंगल ने बताया कि कालोनी में हमने निजी प्लाट पर क्लब बनवाया है। क्लब हमारी निजी प्रापर्टी है। क्लब बनवाते समय एक एक लाख रुपये कालोनी वासियों से कहा था कि लेकिन उन्होंने नही दिए थे। आज सभी ने मिलकर स्टाफ के साथ अभद्रता और मारपीट तक की है। फिलहाल पुलिस ने बीजेपी नेता सहित कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

21 जून को जनपद की सभी तहसीलों में लगेगा सम्पूर्ण समाधान दिवस

उन्नाव। जनपदवासियों की समस्याओं के समाधान हेतु 21 जून को सुबह 10 बजे से अपराह्न 2 बजे तक जनपद की सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय समाधान दिवस का आयोजन तहसील सफीपुर में होगा, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी गौरांग राठी करेंगे। इस अवसर पर सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौके पर मौजूद रहेंगे। इसी क्रम में तहसील बांगरमऊ में मुख्य विकास अधिकारी, हसनगंज में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), पुरवा में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) तथा सदर एवं बीघापुर में संबंधित उप जिलाधिकारी अध्यक्षता करेंगे। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें किसी प्रकार की समस्या या शिकायत है, तो वे निर्धारित तिथि को संबंधित तहसील में उपस्थित होकर अधिकारियों को प्रार्थना पत्र सौंपें और अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त करें।

बीमारी से त्रस्त युवती ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट में जाहिर की अंगदान की इच्छा

झांसी। थाना शाहजहांपुर क्षेत्र में एक युवती ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मरने से पहले उसने थानाध्यक्ष के नाम एक पत्र लिखा। उसमें उसने अपनी मौत का जिम्मेदार खुद को बताते हुए अपने अंग दान करने की इच्छा जाहिर की। सुसाइड नोट में लिखा- मैं 10 साल से बीमार हूं। दर्द के कारण हमेशा दवा खानी पड़ती है। इसलिए मैं खुद को खत्म करने जा रही हूं। मेरे मरने के बाद मेरे अंग दान कर देना। जो शेष बचें, उनका काशी में अंतिम संस्कार कर देना। मेरी मौत के लिए कोई भी जिम्मेदार नहीं है। फिर उसने कमरे में मां की साड़ी से फंदा बनाया और पंखे से लटककर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कस्बा निवासी चिरंजी कुशवाहा ने बताया कि उसकी भतीजी कल्पना पढ़ने में बहुत तेज थी। उसने मोंठ के टीकाराम महाविद्यालय से बीए की पढ़ाई पूरी की थी। कुछ समय पहले उसे अपेंडिक्स और पथरी की शिकायत हो गई थी। इससे वो परेशान रहने लगी थी। दो साल पहले ऑपरेशन भी कराया, मगर आराम नहीं मिला। इससे भतीजी परेशान रहती थी। गुरुवार रात को उसने परिवार के साथ खाना खाया। फिर कमरे में सोने चली गई। सुबह वह आठ बजे जागती थी। शुक्रवार सुबह जब वह कमरे से बाहर नहीं निकली तो देखने गए। दरवाजा खोला तो भतीजी का शव फंदे से लटक रहा था। इस संबंध में शाहजहांपुर थानाध्यक्ष संदीप वर्मा ने बताया कि युवती ने सुसाइड किया है। उसके पास सुसाइड नोट भी मिला है। शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन ने एक बाबू और परिचालक को किया गिरफ्तार

जौनपुर। भ्रष्टाचार निवारण संगठन टीम वाराणसी ने रोडवेज के दो कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए शुक्रवार को रोडवेज परिसर से गिरफ्तार किया है। कनिष्ठ लिपिक प्रदीप श्रीवास्तव और परिचालक रजनीश कुमार को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया। डिपो में तैनात परिचालक झुल्लूर राम ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन टीम से शिकायत किया था। झुल्लूर राम ने बताया कि उनकी बस बदलने के लिए कनिष्ठ लिपिक प्रदीप श्रीवास्तव ने 5 हजार रुपए की मांग की थी। श्रीवास्तव ने पैसे सीधे न लेकर परिचालक रजनीश कुमार के माध्यम से लेने की योजना बनाई। शुक्रवार शाम करीब 3:35 बजे एंटी करप्शन टीम ने रोडवेज परिसर में कार्रवाई की। इंस्पेक्टर राजेश कुमार यादव के नेतृत्व में टीम ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया। आरोपी प्रदीप श्रीवास्तव बदलापुर जौनपुर के रहने वाले हैं। वहीं रजनीश कुमार प्रयागराज के मेजा क्षेत्र के चपरतला गांव के निवासी हैं। दोनों आरोपितों को लाइन बाजार थाने ले जाया गया है। जहां आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद दोनों पर विधिक कार्रवाई की जायेगी।

सोनभद्र में दो तस्कर गिरफ्तार, 1.80 करोड़ का डोडा पोस्ता बरामद

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में पुलिस की संयुक्त टीम ने गुरुवार की देर रात हिन्दुआरी तिराहे के पास से चेकिंग के दौरान एक मिनी ट्रक को रोककर तलाशी ली। इस दौरान ट्रक पर लदे अवैध मादक पदार्थ 1806 किलोग्राम डोडा पोस्ता बरामद किया है, जिसकी कीमत एक करोड़ अस्सी लाख रुपये है। दो तस्कर भी गिरफ्तार किए गए हैं।

एआरटीओ कार्यालय के बाहर मारपीट और तोड़फोड़ का वीडियो वायरल

- वायरल वीडियो के आधार पर जांच में जुटी सदर कोतवाली पुलिस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। थाना सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित एआरटीओ कार्यालय के बाहर शुक्रवार को दो वाहन प्रशिक्षण संस्थानों के संचालकों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि बात मारपीट और तोड़फोड़ तक पहुंच गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि अखबार नही करता है।

जानकारी के अनुसार, उन्नाव निवासी विनीत द्विवेदी का वाहन प्रशिक्षण संस्थान पहले से संचालित है। आरोप है कि कानपुर निवासी प्रदीप द्विवेदी यहां नया ट्रेनिंग सेंटर खोलने की कोशिश कर रहे थे, जिसे लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। देखते ही देखते मामला हाथापाई में बदल गया।

विवाद के दौरान विनीत द्विवेदी और उनके सहयोगियों पर प्रदीप द्विवेदी तथा उनके साथ आए लोगों से मारपीट करने और उनकी दो कारों में तोड़फोड़ करने का आरोप है। अचानक हुई घटना से कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर पहुंची कोतवाली सदर पुलिस ने दोनों पक्षों को हिरासत में लेकर कोतवाली बुला लिया है। कोतवाली प्रभारी अवनीश सिंह ने बताया कि, ''ट्रेनिंग सेंटर संचालन को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ है। बयान लिए जा रहे हैं और वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।''

उपरोक्त वायरल वीडियो एवं मारपीट प्रकरण के सम्बंध में एआरटीओ श्वेता वर्मा ने बताया कि मामला कार्यालय से जुड़ा नही है, कार्यालय के बाहर किन्ही पक्षों में विवाद हुआ है जिसकी स्पष्ट जानकारी मुझे नही है।

एआरटीओ, श्वेता वर्मा।

ग्राम प्रधान पर लगे छेड़छाड़ के आरोप, मुकदमा दर्ज

हमीरपुर। शुक्रवार को मनरेगा योजना के तहत मजदूरी करने वाली महिला ने ग्राम प्रधान पर उसे पकड़ कर खींचने और छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मौदहा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने शिकायती पत्र देकर बताया कि वह अपने पति के साथ मनरेगा योजना में मजदूरी करती है लेकिन ग्राम प्रधान अब्दुल्ला खां की उस पर नजर खराब थी और वह अक्सर उसका पीछा कर रहे थे। महिला ने बताया कि बीते सत्रह जून को ग्राम प्रधान उसे और उसके पति को अलग-अलग जगह काम पर भेज रहे थे जिसका उसके पति ने विरोध किया तो ग्राम प्रधान गाली-गलौज करने लगा और धक्का मुक्की करने लगा,महिला ने बताया कि जब वह अपने पति को बचाने लगी तो ग्राम प्रधान ने उसे पकड़ कर खींच लिया और उसकी छाती दबाने लगा। महिला ने बताया कि ग्राम प्रधान अक्सर उसका पीछा करता था और कहता था कि मैं तुम्हें बिना काम के पैसे दूंगा। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

योग केवल एक शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि यह एक समग्र जीवन पद्धति है : प्रो. मुकेश पाण्डेय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी में आज राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के तत्वावधान में ्लयोगः आंतरिक शांति से विश्व शांति और स्वस्थ जीवन की ओर एक सतत कदमङ्क विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के अधिकारियों, विशेषज्ञों, रासेयो पदाधिकारियों तथा स्वयंसेवकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ, जिसके पश्चात कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ज्योति मिश्रा ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन करते हुए वेबिनार की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने उद्घाटन संबोधन में कहा कि ्लयोग केवल एक शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि यह एक समग्र जीवन पद्धति है जो मन, शरीर और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित कर हमें आत्मिक शांति प्रदान करता है। यही आंतरिक शांति आगे चलकर विश्व शांति की आधारशिला बनती है। मुख्य अतिथि डॉ. मंजू सिंह, विशेष कार्याधिकारी एवं राज्य संपर्क अधिकारी, रासेयो उत्तर प्रदेश शासन ने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की रासेयो इकाइयों द्वारा पूर्व में आयोजित योग कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि ्लअब समय आ गया है कि हम योग को केवल औपचारिकता के रूप में न देखें, बल्कि इसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए संगठित प्रयास करें। योग शिविरों को विश्वविद्यालय परिसरों से निकालकर गोद लिए गए ग्रामों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

अभिनेता आमिर खान की फिल्म ''सितारे ज़मीन पर'' का विरोध, फूंका पुतला

वाराणसी। सामाजिक संस्था ''प्रणाम वन्दे मातरम् समिति'' के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को अभिनेता आमिर खान और उनकी नई फिल्म ''सितारे ज़मीन पर'' का जमकर विरोध किया। नई सड़क स्थित गीता मंदिर के समीप जुटे कार्यकर्ताओं ने अभिनेता और फिल्म का प्रतीक रूप से पुतला फूंक आक्रोश जताया और अभिनेता के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। संस्था के अध्यक्ष अनूप जायसवाल ने कहा कि आमिर खान बार-बार अपने बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से तुर्की और पाकिस्तान जैसे भारत विरोधी देशों के समर्थन में नजर आते हैं, लेकिन जब उनकी फिल्म रिलीज़ होती है, तब उन्हें देशभक्ति की याद आती है। ऐसे लोगों की मंशा पर सवाल खड़ा होता है कि क्या यह राष्ट्र के नाम पर भावनात्मक खेल नहीं है?। अनूप ने कहा कि अभिनेता आमिर खान ने पूर्व में यह भी बयान दिया था कि उन्हें भारत में डर लगता है, जबकि 26/11 जैसे हमलों के दौरान भी उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा था।

पेड़ों के कटान से द्रवित डाक्टर ने चालू की अनोखी पहल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- अपने 70वें जन्मदिन पर रोपेंगे सत्तर पेड़
- कांट और ददरौल ब्लाक के सत्तर गावों को लिया गोद, सभी गावों में कराएंगे वृक्षारोपण

शाहजहांपुर। समाजसेवी तथा जनपद में आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने वाले जनपद के वरिष्ठ डाक्टर सत्यानंद मिश्रा ने पर्यावरण में फैल रहे प्रदूषण को लेकर गहरी चिंता जताई है और पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए एक अनोखी पहल की शुरुआत की है।जिसमे सबसे पहले तो वह अपने सत्तर वें जन्मदिन पर सत्तर पेड़ों को रोपित करेंगे और लोगों को अपनी मुहिम में जोड़ने का कार्य करते हुए अधिक से अधिक लोगों को पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करने का कार्य करेंगे।

मंगलवार को जनपद के प्रतिष्ठित डाक्टर सत्यानंद मिश्रा ने अपने अस्पताल में प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि दिन ब दिन धरती से हरियाली को खत्म किया जा रहा है।आय दिन, प्रतिदिन लाखों पेड़ काटे जाते हैं जिससे पर्यावरण पर बहुत ज्यादा खतरा बना हुआ है।जमीन से लेकर आसमान तक प्रदूषण ही प्रदूषण फैला हुआ है।

लोग स्वच्छ हवा नहीं ले पा रहे हैं कई जगहों तो लोगों का सांस लेना ही मुश्किल हो रहा है। प्रदूषण की वजह से लोगों में बीमारियां पैदा हो रही हैं।तमाम लोग दमा, स्वांस, टीबी,जैसी गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं।इन समस्याओं को देखते हुए उन्होंने एक नई पहल के तहत अपने सत्तर वें जन्मदिन पर सत्तर पौधों को रोपित करने का कार्य किया जाएगा साथ ही कांट और ददरौल छेत्र के सत्तर गाओ को गोद लेकर सभी गाओ मे अधिक से अधिक पौधारोपण किया जाएगा।

उन्होंने अपनी इस मुहिम में लोगों से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने का आवाहन किया है और लोगों को जागरूक करने के लिए हर एक सप्ताह क्षेत्रीय गांव में चौपाल लगाकर लोगों को पर्यावरण में फैल रहे जहरीले प्रदूषण से होने वाली परेशानियों से अवगत कराते हुए अधिक से अधिक हरे भरे वृक्षों को रोपित करने का आवाहन करेंगे।उन्होंने कहा कि जिस तरह से पेड़ो को काटा जा रहा है यदि इसी प्रकार पेड़ों का कटान होता रहा तो आने वाले समय में लोग ऑक्सीजन लेने को बाध्य हो जाएंगे।

योग से शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य संतुलित : डीआरएम

- कानपुर सेंट्रल-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस का योग स्पेशल के रूप में संचालन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज मंडल में मनाया जायेगा 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवसप्रयागराज, 20 जून (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग के महत्व और इसके स्वास्थ्य लाभों को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। योग का उद्देश्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारना नहीं है, बल्कि यह मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को भी संतुलित करने में मदद करता है। मण्डल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल ने कहा कि यह विभिन्न आसनों, प्राणायाम, और ध्यान तकनीकों के माध्यम से शरीर और मन के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने लोगों को योग के प्रति जागरूक करने और उन्हें इसे अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया है। इससे न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि यह सामुदायिक स्वास्थ्य और कल्याण में भी योगदान देता है।जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक के नेतृत्व में प्रयागराज मंडल में 'एक धरती, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम पर 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया जाएगा। प्रयागराज मंडल द्वारा भारतीय विज्ञान, कला और आध्यात्म से पल्लवित योग को जन सामान्य तक पहुँचाने के लिए व्यापक स्तर पर शुरू किए गए जागरूकता के क्रम में प्रयागराज मण्डल के स्टेशनों पर योग संबंधी वीडियो एवं ऑडियो संदेशों को प्रसारित किया जा रहा है। इस अवसर पर गाड़ी 12033 कानपुर सेंट्रल-नई दिल्ली शताब्दी एक्स्प्रेस को योग स्पेशल के रूप में चलाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितम्बर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण और भारत की पहल और प्रयासों से 21 जून, 2015 को पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया था।

प्राचीन भारतीय परम्परा का एक अमूल्य उपहार योग शारीरिक और मानसिक तंदुरुस्ती को बढ़ावा देने के सबसे भरोसेमंद साधनों में से एक के रूप में उभरा है। योग शब्द संस्कृत मूल युज से लिया गया है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

निविदा सं. 106-Sig-Tender-12-2025-26

कार्य पूरा करने की अवधि 210 दिन

www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संवेदनशील बनें, हर पीड़ित तक समय पर पहुँचे सहायता : डीएम

- पुलिस लाइन में हुई मानव तस्करी और यौन शोषण पर जागरूकता कार्यशाला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। पुलिस लाइंस सभागार में शुक्रवार को ''मानव तस्करी और बाल यौन शोषण से सुरक्षा एवं किशोर न्याय अधिनियम'' से संबंधित एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला शक्ति वाहिनी संस्था के सहयोग से आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल एवं एसपी संकल्प शर्मा ने संयुक्त रूप से की।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि बचपन की सुरक्षा और गरिमा की रक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मानव तस्करी और बाल यौन शोषण जैसे अपराध हमारे समाज पर गहरा आघात करते हैं। इनसे निपटने के लिए सिर्फ कानून ही नहीं, संवेदनशीलता और सक्रियता भी ज़रूरी है। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर संभावित पीड़ितों की समय रहते पहचान करें और हर स्तर पर सहयोग करें। एसपी संकल्प शर्मा ने कहा कि बाल यौन शोषण और मानव तस्करी के मामलों में पुलिस को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही इन अपराधों के विरुद्ध सबसे बड़ा हथियार है। कार्यशाला में मानव तस्करी और बाल यौन शोषण की परिभाषा, प्रकार, किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधान, बाल कल्याण समितियों और बाल संरक्षण इकाइयों की भूमिका, पीड़ितों की पहचान व पुनर्वास तथा संबंधित कानूनी प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। शक्ति वाहिनी संस्था से एजुकेटिव डायरेक्टर निशिकांत और अधिवक्ता सुरभि शिवपुरी ने केस स्टडी, प्रेजेंटेशन और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को विषय की गंभीरता से अवगत कराया गया। इस अवसर पर एएसपी पवन गौतम, डीपीओ लवकुश भार्गव, बाल कल्याण समिति के सदस्य, चाइल्डलाइन, शिक्षा विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, समाजसेवी संस्थाएं मौजूद रहे।

मोहर्रम को मध्य नजर रखते हुए पीस कमेटी की बैठक संपन्न, ऊंचे ताजिया बनाने की दी हिदायत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। मोहर्रम को मध्य नजर रखते हुए कुकरा चौकी के प्रांगण में हुई पीस कमेटी की बैठक दी कड़ी नसीहत,,आगामी मोहर्रम को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आगामी मोहर्रम के मद्देनजर तेज तर्रार सीओ गोला व थाना अध्यक्ष मैलानी निराला तिवारी ने ताजिया बनाने व क्षेत्र के ताजियादारों और मुस्लिम समाज के प्रमुख लोगों के साथ सुरक्षा और शांति व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें निर्देश दिए गए की ताजिए की ऊंचाई कम से कम 15,फिट हो जिससे कहीं पर बिजली के तारों पर न फंसे और दुर्घटना से बचा जा सके। थाना अध्यक्ष मैलानी निराला तिवारी ने ताजियादारों को स्पष्ट रूप से ताकीद कर कहा कि ताजियों की ऊँचाई पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और निर्धारित मापदंड का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।अधिकारियों ने उपस्थित जनसमुदाय से अपील की कि मोहर्रम जैसे संवेदनशील पर्व को सौहार्द और भाईचारे के वातावरण में मनाया जाए। मीटिंग में कुकरा प्रधान प्रतिनिधि फुरकानुद्दीन उर्फ सिम्मी,प्रधान जनक यादव, मुस्तकीम अंसारी, शान मोहम्मद, रिजवान खान, मैराज खान, अशफाक, बरकतुल्ला तहसीन मंसूरी, रईस खान,अयूब मास्टर, अलीउलला, शाबान, परवेज खान,पुलिस बल में दीवान अमरीश पटेल, कांस्टेबल सौरभ कुमार, चकित कुमार व कस्बा एवं क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्ति प्रधान आदि ताजियादार मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

नेशनल हाईवे बंद के बावजूद चल रही मैजिकें मैजिक चालकों ने बढ़ाया किराया

गोला गोकर्णनाथ खीरी। राष्ट्रीय राज्यमार्ग पर गोला जंगल व फरधान में रेलवे ब्रिज निर्माण के चलते मार्ग ब्लाक लिया गया था जिससे चारपहिया वाहनों व रोडवेज की बसों की आवाजाही बन्द है। जिसका सीधा असर गोला से लखीमपुर के मध्य पडने वाले गांवों के यात्रियों पर पड़ रहा है । ग्रामीण क्षेत्रो के सैकड़ों यात्रियों को जाने के लिये ट्रेन या निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है । हालांकि कुछ मैजिको को रास्ता बन्द होने के बाद भी साइड के रास्ते से चला रहे हैं जो राहगीरों से लखीमपुर से गोला के 50 रुपये, केशवापुर भल्लिया बुजुर्ग के 40 रुपये बसूले जा रहे है। ट्रेनों की संख्या कम होने व निजी वाहन न होने वाले यात्री ज्यादा किराया देकर यात्रा करने पर मजबूर हैं ।

धौरहरा में मोहर्रम को लेकर शांति स्थापना की मिसाल

धौरहरा, खीरी। आगामी मोहर्रम त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने के उद्देश्य से धौरहरा थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में दोनों धर्मों के ताजियादारों व ग्रामीणों ने भाग लेकर आपसी एकता और भाईचारे का संदेश दिया। बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी राजेश कुमार ने की। उन्होंने त्योहार के दौरान प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए ताजियों की ऊंचाई सीमित रखने और जुलूस मार्गों की साफ-सफाई व मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने संभावित विवादित स्थलों की पहचान कर समय रहते समाधान करने का भरोसा दिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी शमशेर बहादुर सिंह ने स्पष्ट किया कि त्योहार पुराने रीति-रिवाजों के अनुसार ही मनाया जाएगा और किसी नई परंपरा की शुरुआत नहीं की जाएगी जिससे सौहार्द बना रहे। कोतवाल सुरेश मिश्रा ने किसी भी प्रकार के विवाद या शिकायत के लिए सीयूजी और निजी नंबरों पर तुरंत सूचना देने की अपील की, जिससे त्वरित कार्यवाही हो सके। इस बैठक में दोनों समुदायों के प्रधान, गणमान्य व्यक्ति और प्रशासनिक उपस्थित रहे।

खेत की रखवाली करने गया युवक संदिग्ध हालात में मृत मिला, गांव में फैली सनसनी

धौरहरा, खीरी। खमरिया थाना क्षेत्रः ग्राम सभा दरिगापुर निवासी 22 वर्षीय इंद्रेश गौतम की शुक्रवार सुबह खेत में संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। मृतक गुरुवार रात खेत की रखवाली के लिए गया था और सुबह खेत में मृत पाया गया। परिजनों के अनुसार, इंद्रेश गौतम पुत्र छोटे गौतम रोजाना की तरह गुरुवार रात खाना खाने के बाद खेत की रखवाली के लिए गया था। वह कभी-कभी रात में लौट आता था और कभी सुबह घर आता था। लेकिन इस बार सुबह तक घर नहीं पहुंचा। सुबह गांव के कुछ लोग जब खेत की ओर गए तो उन्होंने एक युवक को खेत में पड़ा देखा। पास जाकर पहचान की तो वह इंद्रेश गौतम निकला। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। बेटे की लाश देखकर छोटे गौतम जोर-जोर से रोने लगे। उन्होंने बताया कि उनका बेटा किसी से दुश्मनी नहीं रखता था और न ही किसी विवाद में था। सूचना मिलने पर खमरिया थाना प्रभारी ओ.पी. राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है ताकि मौत के कारणों का पता चल सके। पुलिस ने बताया कि रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असल वजह स्पष्ट होगी।

हत्या के प्रयास में दोषी को सात साल की कैद, 50 हजार जुर्माना

जालौन। जालौन में छह साल पुराने हत्या के प्रयास के एक मामले में अदालत ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाया है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अचल सचदेव की अदालत ने आरोपी रामशंकर पुत्र खूबे उर्फ खूबचन्द्र कुशवाहा को दोषी करार देते हुए सात वर्ष के सश्रम कारावास और 50,000 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। घटना वर्ष 2019 की है, जब ग्राम अकबरपुर इटौरा, थाना आटा निवासी वादी भूप सिंह ने अपने पिता सन्तराम कुशवाहा पर हुए जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 12 अगस्त 2019 को सन्तराम कुशवाहा जब अपने घर में सो रहे थे, तभी गांव के ही रामशंकर ने पुरानी रंजिश के चलते कुल्हाड़ी से उनके चेहरे पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस वारदात के पीछे हत्या की मंशा बताई गई थी। घटना की सूचना मिलते ही थाना आटा पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने रामशंकर के खिलाफ धारा 307 आईपीसी (हत्या के प्रयास) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर 22 नवंबर 2019 को न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस, अभियोजन पक्ष और कोर्ट पैरोकारों ने सशक्त साक्ष्य व प्रभावी पैरवी के आधार पर आरोपी को दोषी साबित किया।

मोहर्रम के मद्देनज़र एडीएम ने ली ताजियादारों की बैठक

लखीमपुर खीरी। मोहर्रम माह को शान्तिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के उद्देश्य से अटल सभागार में गुरुवार शाम एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने ताजियादारों संग बैठक की, जिसमें बड़ी संख्या में आयोजक, गणमान्य नागरिक एवं पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने सहभागिता की। बैठक को संबोधित करते हुए एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने सभी आयोजकों से अपील की कि मोहर्रम माह को परम्परागत एवं शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जाए। किसी भी प्रकार की अफवाह या समस्या की स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन को सूचित करें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने ताजियों की ऊंचाई, जुलूस मार्ग, विद्युत लाइन सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और यातायात प्रबंधन जैसे विषयों पर विशेष सतर्कता बरतने का अनुरोध किया। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे क्षेत्रीय भ्रमण करें तथा सभी थाना क्षेत्रों में आयोजकों संग बैठकें आयोजित कर मोहर्रम पंजिका के अनुसार सभी तैयारियों को समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित करें। अपर पुलिस अधीक्षक प्रकाश कुमार ने बताया कि मोहर्रम के अवसर पर संवेदनशील व अतिसंवेदनशील स्थलों की पहचान कर वहां पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। ङ्कगुड पुलिसिंगङ्क के माध्यम से शांति और सुरक्षा का सकारात्मक वातावरण बनाए रखा जाएगा।

हत्या का आरोपित पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

गाजियाबाद। मुरादनगर थाना की पुलिस ने शुक्रवार को स्वॉट टीम की मदद से रावली रोड पर चेकिंग के दौरान मुठभेड़ में पच्चीस हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। उसने बीते दिनों मुरादनगर थाना के सामने रवि शर्मा पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर हत्या की थी, तब से पुलिस उसकी तलाश में थी। अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध 0.32 बोर की पिस्टल 02 खोखा कारतूस 0.32 बोर व 03 जिन्दा कारतूस 0.32 बोबिनर व चोरी की 01 सुपर स्प्लेंडर मोटर साइकिल बरामद हुई है। डीसीपी ग्रामीण एसएन तिवारी ने बताया कि शुक्रवार को थाना मुरादनगर पुलिस अपराध की रोकथाम के लिए रावली रोड पर लगातार गस्त व चेकिंग की जा रही थी।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ–2025

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ियों का संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

गाड़ी संख्या	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	आवृति	चलने के दिन	चलने की अवधि
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जंक्शन	08:40	प्रतिदिन		10.07.2025 तक
04087	पटना जंक्शन	10:00	नई दिल्ली	03:20			11.07.2025 तक
04064	नई दिल्ली	08:30	शेखपुरा	04:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04063	शेखपुरा	08:00	नई दिल्ली	01:10		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04066	नई दिल्ली	21:35	सहरसा जंक्शन	22:00	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04065	सहरसा जंक्शन	23:55	नई दिल्ली	23:30		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04022	नई दिल्ली	14:00	गोरखपुर	05:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04021	गोरखपुर	07:00	नई दिल्ली	23:10		शनिवार	12.07.2025 तक
04081	नई दिल्ली	23:45	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	11:40	त्रि-साप्ताहिक	सोमवार, बुध, शनि	12.07.2025 तक
04082	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	21:20	नई दिल्ली	09:30		मंगल, गुरु, रविवार	13.07.2025 तक
04012	दिल्ली जंक्शन	19:30	दरभंगा जंक्शन	20:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04011	दरभंगा जंक्शन	22:00	दिल्ली जंक्शन	22:40		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04024	दिल्ली जंक्शन	19:30	वाराणसी जंक्शन	09:45	त्रि-साप्ताहिक	सोम,गुरु,शनि	10.07.2025 तक
04023	वाराणसी जंक्शन	18:35	दिल्ली जंक्शन	08:50		मंगल,शुक्र,रवि	11.07.2025 तक
04026	दिल्ली जंक्शन	23:05	रक्सौल जंक्शन	19:00	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04025	रक्सौल जंक्शन	22:00	दिल्ली जंक्शन	17:45		शुक्रवार	11.07.2025 तक
04016	आनंद विहार (ट)	08:30	मुजफ्फरपुर जंक्शन	04:30	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04015	मुजफ्फरपुर जं.	06:15	आनंद विहार (ट)	03:10		शुक्रवार	11.07.2025 तक
04020	आनंद विहार (ट)	19:30	बरौनी जंक्शन	18:00	साप्ताहिक	रविवार	06.07.2025 तक
04019	बरौनी जंक्शन	20:00	आनंद विहार (ट)	19:00		सोमवार	07.07.2025 तक
04096	आनंद विहार (ट)	04:59	जयनगर	05:20	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04095	जयनगर	07:30	आनंद विहार (ट)	08:10		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04098	आनंद विहार (ट)	08:40	सीतामढ़ी	02:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04097	सीतामढ़ी	03:45	आनंद विहार (ट)	01:30		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04094	आनंद विहार (ट)	23:55	जोगबनी	07:30	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04093	जोगबनी	09:30	आनंद विहार (ट)	16:00		शनिवार	12.07.2025 तक
04207	लखनऊ जंक्शन	08:05	नई दिल्ली	16:30	साप्ताहिक	सोमवार	07.07.2025 तक
04208	नई दिल्ली	20:20	लखनऊ जंक्शन	08:35		सोमवार	07.07.2025 तक
04217	वाराणसी जंक्शन	06:25	लखनऊ जंक्शन	11:45	प्रतिदिन		30.06.2025 तक
04218	लखनऊ जंक्शन	16:30	वाराणसी जंक्शन	21:50			30.06.2025 तक
04219	शाहगंज जंक्शन	22:35	अयोध्या धाम जंक्शन	01:40	प्रतिदिन		10.07.2025 तक
04220	अयोध्या धाम जंक्शन	02:10	शाहगंज जंक्शन	04:40			10.07.2025 तक
02270	लखनऊ जंक्शन (बाद थावे स्पेशल)	14:15	छपरा	21:30	सप्ताह में 06 दिन	मंगलवार को छोड़कर	11.07.2025 तक
02269	छपरा	23:00	लखनऊ जंक्शन	06:30			11.07.2025 तक
04604	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	18:15	वाराणसी जंक्शन	19:00	साप्ताहिक	रविवार	06.07.2025 तक
04603	वाराणसी जंक्शन	05:00	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	06:30		मंगलवार	08.07.2025 तक
04206	वाराणसी जंक्शन	14:50	चंडीगढ़	07:45	साप्ताहिक	शनिवार	05.07.2025 तक
04205	चंडीगढ़	08:30	वाराणसी जंक्शन	01:20		रविवार	06.07.2025 तक
04518	बठिण्डा जंक्शन	20:55	वाराणसी जंक्शन	17:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, बुध	09.07.2025 तक
04517	वाराणसी जंक्शन	20:40	बठिण्डा जंक्शन	17:00		मंगल, शनि	12.07.2025 तक
04302	योग नगरी ऋषिकेश	15:20	मुजफ्फरपुर जंक्शन	13:00	साप्ताहिक	मंगलवार	15.07.2025 तक
04301	मुजफ्फरपुर जंक्शन	15:00	योग नगरी ऋषिकेश	14:20		बुधवार	16.07.2025 तक
04610	जम्मू तवी	06:20	वाराणसी जंक्शन	05:10	साप्ताहिक	गुरुवार	09.07.2025 तक
04609	वाराणसी जंक्शन	09:00	जम्मू तवी	07:45		शुक्रवार	10.07.2025 तक
04304	योग नगरी ऋषिकेश	15:20	गोरखपुर	06:20	साप्ताहिक	शनिवार	12.07.2025 तक
04303	गोरखपुर	08:00	योग नगरी ऋषिकेश	00:55		रविवार	13.07.2025 तक
04602	फिरोजपुर कैंट जंक्शन	15:10	पटना जंक्शन	18:00	द्वि-साप्ताहिक	बुध, शनिवार	12.07.2025 तक
04601	पटना जंक्शन	20:50	फिरोजपुर कैंट जंक्शन	23:55		गुरु, रविवार	13.07.2025 तक
04608	अमृतसर जंक्शन	20:10	दरभंगा जंक्शन	02:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04607	दरभंगा जंक्शन	04:00	अमृतसर जंक्शन	13:30		रविवार	13.07.2025 तक
04212	सुल्तानपुर जंक्शन	04:00	लोकमान्य तिलक (ट.)	14:00	साप्ताहिक	सोमवार	23.06.2025 तक
04211	लोकमान्य तिलक (ट.)	16:35	सुल्तानपुर जंक्शन	23:00		मंगलवार	24.06.2025 तक
05559	रक्सौल जंक्शन	05:30	उधना जंक्शन	12:35	साप्ताहिक	शनिवार	26.07.2025 तक
05560	उधना जंक्शन	15:35	रक्सौल जंक्शन	00:15		रविवार	27.07.2025 तक
04058	नई दिल्ली	19:30	सहरसा जं.	19:50	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04057	सहरसा जं.	21:40	नई दिल्ली	23:30		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04072	दिल्ली जं.	11:00	दरभंगा जं.	13:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04071	दरभंगा जं.	15:00	दिल्ली जं.	18:50		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04074	आनंद विहार (ट)	23:55	जोगबनी	07:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04073	जोगबनी	09:30	आनंद विहार (ट)	16:00		रविवार	13.07.2025 तक
03255	पटना जंक्शन	22:20	आनंद विहार (ट)	18:35	द्वि-साप्ताहिक	रवि, गुरु	02.01.2025 से अगले आदेश तक
03256	आनंद विहार (ट)	23:30	पटना जंक्शन	18:35		सोम, शुक्र	03.01.2025 से अगले आदेश तक
05049	छपरा	10:15	अमृतसर जंक्शन	13:50	साप्ताहिक	शुक्रवार	07.02.2025 से अगले आदेश तक
05050	अमृतसर जंक्शन	17:45	छपरा	23:55		शनिवार	08.02.2025 से अगले आदेश तक
04092	नई दिल्ली	19:30	हावड़ा जंक्शन	21:40	द्वि-साप्ताहिक	बुध, शनि	19.07.2025 तक
04091	हावड़ा जंक्शन	23:50	नई दिल्ली	01:00		गुरु, रवि	20.07.2025 तक
04216	सुल्तानपुर जंक्शन	04:00	साबरमती	07:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
04215	साबरमती	06:50	सुल्तानपुर जंक्शन	11:00		शनिवार	28.06.2025 तक
09639	मदार जंक्शन	04:30	रोहतक जंक्शन	12:50	प्रतिदिन		30.06.2025 तक
09640	रोहतक जं.	13:30	मदार जंक्शन	22:35			30.06.2025 तक
04504	चंडीगढ़	23:35	पटना जंक्शन	22:10	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04503	पटना जंक्शन	22:45	चंडीगढ़	23:10		शुक्रवार	11.07.2025 तक
03435	मालदा टाउन	09:30	आनंद विहार (ट.)	13:40	साप्ताहिक	सोमवार	30.06.2025 तक
03436	आनंद विहार (ट.)	15:45	मालदा टाउन	01:30		बुधवार	01.07.2025 तक
05597	जयनगर जं.	07:00	योग नगरी ऋषिकेश	10:20	साप्ताहिक	गुरुवार	03.07.2025 तक
05598	योग नगरी ऋषिकेश	17:55	जयनगर जं.	19:45		शनिवार	21.06.25 से 05.07.25
05305	छपरा	22:30	आनंद विहार (ट)	22:10	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	17.02.2025 से अगले आदेश तक
05306	आनंद विहार (ट)	00:20	छपरा	22:50		बुध, शनि	18.02.2025 से अगले आदेश तक
05057	गोरखपुर जंक्शन	22:45	दिल्ली जंक्शन	12:50	साप्ताहिक	गुरुवार	06.02.2025 से अगले आदेश तक
05058	दिल्ली जंक्शन	14:00	गोरखपुर जंक्शन	06:25		शुक्रवार	07.02.2025 से अगले आदेश तक
01701	जबलपुर	19:40	अयोध्या कैंट	11:00	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
01702	अयोध्या कैंट	13:30	जबलपुर	04:15		गुरुवार	26.06.2025 तक
03309	धनबाद जंक्शन	10:10	जम्मू तवी	22:40	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शनि	28.06.2025 तक
03310	जम्मू तवी	23:30	धनबाद जंक्शन	13:00		बुध, रवि	29.06.2025 तक
02397	गया	14:15	आनंद विहार (ट)	07:10	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
02398	आनंद विहार (ट)	08:20	गया	00:30		सोमवार	30.06.2025 तक
03257	दानापुर	07:30	आनंद विहार (ट)	00:30	साप्ताहिक	रविवार	27.07.2025 तक
03258	आनंद विहार (ट)	05:00	दानापुर	20:45		सोमवार	28.07.2025 तक
03697	गया	14:15	दिल्ली जंक्शन	07:45	सप्ताह में 6 दिन	शनि को छोड़कर	30.06.2025 तक
03698	दिल्ली जंक्शन	08:55	गया	00:30		सोम को छोड़कर	01.07.2025 तक
05577	सहरसा जंक्शन	20:00	आनंद विहार (ट)	00:30	सप्ताह में 5 दिन	गुरु, शनि को छोड़कर	30.06.2025 तक
05578	आनंद विहार (ट)	05:15	सहरसा जंक्शन	10:30		शनि, सोम को छोड़कर	02.07.2025 तक
02393	राजेंद्र नगर (ट)	19:45	नई दिल्ली	12:10	सप्ताह में 6 दिन	गुरुवार को छोड़कर	30.06.2025 तक
02394	नई दिल्ली	18:30	राजेंद्र नगर (ट)	10:00		शुक्र को छोड़कर	01.07.2025 तक
02877	रांची	23:55	नई दिल्ली	03:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
02878	नई दिल्ली	04:00	रांची	05:00		रविवार	29.06.2025 तक
05736	कटिहार जंक्शन	21:00	अमृतसर जंक्शन	09:45	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
05735	अमृतसर जंक्शन	13:25	कटिहार जंक्शन	23:45		शुक्रवार	27.06.2025 तक
09183	मुंबई सेंट्रल	22:50	वाराणसी जंक्शन	10:30	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
09184	वाराणसी जंक्शन	14:30	मुंबई सेंट्रल	04:20		शुक्रवार	27.06.2025 तक
03223	राजगीर	06:05	हरिद्वार जंक्शन	06:05	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
03224	हरिद्वार जंक्शन	07:20	राजगीर	07:15		शनिवार	28.06.2025 तक
03221	राजगीर	14:00	शहीद कप्तान तुषार महाजन	23:05	साप्ताहिक	सोमवार	30.06.2025 तक
03222	शहीद कप्तान तुषार महाजन	03:15	राजगीर	15:00		बुधवार	02.07.2025 तक
05742	न्यू जलपाईगुड़ी	13:40	अयोध्या कैंट	08:30	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
05741	अयोध्या कैंट	11:40	न्यू जलपाईगुड़ी	08:30		सोमवार	30.06.2025 तक
03311	धनबाद जंक्शन	23:50	चंडीगढ़	04:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	27.06.2025 तक
03312	चंडीगढ़	09:00	धनबाद जंक्शन	09:00		गुरु, रवि	29.06.2025 तक
05113	छपरा	15:45	आनंद विहार (ट.)	14:25	साप्ताहिक	बुधवार	16.07.2025 तक
05114	आनंद विहार (ट.)	16:00	छपरा	14:00		गुरुवार	17.07.2025 तक
05301	मऊ जंक्शन	04:00	अंबाला कैंट	00:30	साप्ताहिक	गुरुवार	17.07.2025 तक
05302	अम्बाला कैंट	01:40	मऊ जंक्शन	22:00		शुक्रवार	18.07.2025 तक
05193	छपरा	14:00	शहीद कप्तान तुषार महाजन	23:05	साप्ताहिक	सोमवार	14.07.2025 तक
05194	शहीद कप्तान तुषार महाजन	00:10	छपरा	08:00		बुधवार	16.07.2025 तक
07363	हुब्बल्ली जंक्शन	20:30	योग नगरी ऋषिकेश	23:30	साप्ताहिक	सोमवार	24.02.2025 से अगले आदेश तक
07364	योग नगरी ऋषिकेश	06:15	हुब्बल्ली जंक्शन	06:30		गुरुवार	27.02.2025 से अगले आदेश तक
01491	पुणे	17:30	हजरत निजामुद्दीन	18:10	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
01492	हजरत निजामुद्दीन	22:10	पुणे	23:55		शनिवार	28.06.2025 तक
09101	वडोदरा जंक्शन	16:45	हरिद्वार जंक्शन	14:30	साप्ताहिक	शनिवार	28.06.2025 तक
09102	हरिद्वार जंक्शन	16:45	वडोदरा जंक्शन	12:00		रविवार	29.06.2025 तक
07023	चर्लपल्ली	20:45	हजरत निजामुद्दीन	02:00	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
07024	हजरत निजामुद्दीन	04:00	चर्लपल्ली	06:30		मंगलवार	01.07.2025 तक
07621	हुजूर साहिब नांदेड़	08:45	हजरत निजामुद्दीन	14:00	साप्ताहिक	शनिवार	28.06.2025 तक
07622	हजरत निजामुद्दीन	21:40	हुजूर साहिब नांदेड़	00:35		रविवार	29.06.2025 तक
09309	इंदौर जंक्शन	17:00	हजरत निजामुद्दीन	06:00	द्वि-साप्ताहिक	शुक्र, रवि	29.06.2025 तक
09310	हजरत निजामुद्दीन	08:20	इंदौर जंक्शन	21:00		शनि, सोम	30.06.2025 तक
09003	मुंबई सेंट्रल	10:30	दिल्ली जंक्शन	10:00	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	27.06.2025 तक
09004	दिल्ली जंक्शन	13:05	मुंबई सेंट्रल	13:30		बुध, शनि	28.06.2025 तक
09425	साबरमती	17:20	हरिद्वार जंक्शन	17:00	द्वि-साप्ताहिक	गुरु, रवि	29.06.2025 तक
09426	हरिद्वार जंक्शन	21:00	साबरमती	22:30		शुक्र, सोम	30.06.2025 तक
09603	उदयपुर सिटी	01:50	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	06:35	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
09604	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	10:50	उदयपुर सिटी	13:55		गुरुवार	26.06.2025 तक
01705	जबलपुर	15:45	हरिद्वार जंक्शन	13:50	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
01706	हरिद्वार जंक्शन	17:40	जबलपुर	17:50		गुरुवार	26.06.2025 तक
04050	नई दिल्ली	21:35	ऐशबाग	12:35	द्वि-साप्ताहिक	शुक्र, रवि	13.07.2025 तक
04049	ऐशबाग	18:45	नई दिल्ली	11:00		शनि, सोम	14.07.2025 तक
04525	सहारनपुर जं.	04:40	अम्बाला कैंट	06:45	प्रतिदिन		16.07.2025 तक
04526	अम्बाला कैंट	20:20	सहारनपुर जं.	22:30			15.07.2025 तक
04068	नई दिल्ली	14:00	भागलपुर	13:30	द्वि-साप्ताहिक	रवि, बुध	09.07.2025 तक
04067	भागलपुर	14:30	नई दिल्ली	14:30		सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04030	आनंद विहार (ट)	09:00	मुजफ्फरपुर जं.	04:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शनि	08.07.2025 तक
04029	मुजफ्फरपुर जं.	06:15	आनंद विहार (ट)	03:10		बुध, रवि	09.07.2025 तक
04618	अमृतसर	20:10	सहरसा जं.	02:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, मंगल	08.07.2025 तक
04617	सहरसा जं.	04:40	अमृतसर	14:00		बुध, गुरु	10.07.2025 तक
05219	मुजफ्फरपुर जं.	13:30	आनंद विहार (ट)	10:00	साप्ताहिक	शनि	19.07.2025 तक
05220	आनंद विहार (ट)	12:00	मुजफ्फरपुर जं.	09:45		रवि	20.07.2025 तक
05447	पीलीभीत जं.	12:10	शाहजहाँपुर	13:50	प्रतिदिन		30.06.2025 तक
05448	शाहजहाँपुर	14:35	पीलीभीत जं.	16:30			30.06.2025 तक
05283	मुजफ्फरपुर जं.	06:30	आनंद विहार (ट)	05:00	साप्ताहिक	शुक्र	27.06.2025 तक
05284	आनंद विहार (ट)	07:00	मुजफ्फरपुर जं.	04:30		शनि	28.06.2025 तक
04687	बनिहाल	18:40	बडगाम	20:20	सप्ताह में 6 दिन	शुक्र को छोड़कर	03.08.2025 तक
04688	बडगाम	08:35	बनिहाल	10:40			03.08.2025 तक
04606	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	21:30	गुवाहाटी	19:10	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04605	गुवाहाटी	23:20	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	20:45		सोम	14.07.2025 तक
07077	चर्लपल्ली	05:00	देहरादून	19:20	साप्ताहिक	मंगलवार	24.06.2025 तक
07078	देहरादून	07:00	चर्लपल्ली	22:30		गुरुवार	26.06.2025 तक

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे

यात्रियों की सेवा में मुस्कान के साथ

एफआईएच प्रो लीग में भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें बेल्जियम के खिलाफ मैदान में उतरेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के अंतिम चरण में भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें बेल्जियम के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। यूरोप दौरे पर वर्ल्ड कप क्वालीफिकेशन की उम्मीदों के साथ उतरी भारतीय टीमों का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। अब बची हुई दो मुकाबलों में टीमों की नजर सम्मानजनक जीत के साथ अभियान को समाप्त करने पर है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम लगातार छह हार के बाद अब मौजूदा दौर की सबसे मजबूत टीमों में से एक, बेल्जियम से भिड़ेगी। बेल्जियम ने हाल ही में स्पेन को 6-3 से हराया था, हालांकि उससे पहले वे उसी टीम से 1-2 से हार गए थे। बेल्जियम इस समय अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है, जबकि भारत आठवें स्थान पर फिसल चुका है। भारतीय टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह ने कहा, परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि हमने खराब हॉकी खेली है। असली दुख तब होता है जब आप अच्छा खेलें लेकिन नतीजे ना मिलें। इन दो मुकाबलों में हमारा लक्ष्य डिफेंस को मजबूत बनाना और स्कोरिंग के अवसर बनाना होगा। भारतीय महिला टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि उनकी टीम दुनिया की तीसरे नंबर की टीम बेल्जियम के खिलाफ मुकाबले के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों मुकाबले और अर्जेंटीना के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट तक गया मुकाबला हमारे लिए सीख देने वाले रहे। पिछली बार जब हम बेल्जियम से भिड़े थे, हमने उन्हें कोई आसान जीत नहीं दी थी। इस बार भी हम उसी आत्मविश्वास और तैयारी के साथ उतरेंगे। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें 21 और 22 जून को एंटवर्प में बेल्जियम के खिलाफ डबल-हेडर मुकाबले खेलेंगी। ये मैच भारत के लिए प्रो लीग में अपना अभियान बेहतर अंत देने का आखिरी मौका होंगे।

मेस्सी ने फ्री किक पर गोल करके इंटर मियामी को जीत दिलाई

एजेंसी

अटलांटा (अमेरिका)। स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना पहला गोल फ्री किक पर किया, जिससे इंटर मियामी ने दो बार के यूरोपीय चैंपियन पोर्टो पर 2-1 से जीत हासिल की। इंटर मियामी की टीम मध्यांतर तक 1-0 से पीछे थी, लेकिन टेलास्को सेगोविया ने दूसरे हाफ के दो मिनट बाद मार्सेलो वीगन्डट के क्रॉस पर गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद अर्जेंटीना के 37 वर्ष के खिलाड़ी मेस्सी का जादू देखने को मिला। उन्होंने फ्री किक पर खूबसूरत गोल करके फिर से यह साबित कर दिया कि उन्हें दुनिया के सबसे महानतम खिलाड़ियों में क्यों गिना जाता है। इससे पहले पुर्तगाल के क्लब को वीडियो समीक्षा प्रणाली के जरिए शुरू में ही पेनल्टी किक मिली जिसे सामू ओमोरोदियन ने गोल में बदला। इन दोनों टीमों ने ग्रुप ए का अपना पहला मैच गोलरहित बराबर खेला था।

संक्षिप्त समाचार

राहुल और प्रसिद्ध के साथ खेलना बहुत सुकून देने वाला है: करुण नायर

लीड्स। लंबे समय बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले करुण नायर ने कहा कि ड्रेसिंग रूम में बचपन के साथी केएल राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा की मौजूदगी से उन्हें सहज रहने में मदद मिली और वह आठ साल बाद मिले मौके का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला करुण के लिए टीम में अपनी जगह पक्की करने का मौका है। वह कई साल पहले टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक बनाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने थे। नायर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की वेबसाइट पर जारी किए गए वीडियो में कहा, ''मैं चीजों को बहुत सरल बनाए रखने की कोशिश करता हूं, हमेशा सकारात्मक चीजों के बारे में सोचता हूं, मन में कुछ लक्ष्य रखता हूं, चीजों की कल्पना करता हूं और जो कल्पना करता हूं उस पर पूरा विश्वास रखता हूं। उन्होंने कहा, ''राहुल और प्रसिद्ध के साथ खेलना भी बहुत सुकून देने वाला है। हम बचपन से एक दूसरे के साथ खेलते रहे हैं। करुण और राहुल दोनों की उम्र 33 साल है। वे एक साथ आयु वर्ग क्रिकेट खेल चुके हैं और तब से घनिष्ठ मित्र हैं। उन्होंने कहा, ''जीवन अपना एक चक्र पूरा कर चुका है, क्योंकि मैं इंग्लैंड में टीम से बाहर हो गया था और अब मैं इंग्लैंड में टीम में वापसी कर रहा हूं। मैं लंबे समय तक टीम से बाहर रहा और इसे मैं आत्मसात करता हूं। उन्हें 2017 में भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था। नायर ने कहा, ''टीम से बाहर होने के बाद जब मैं अगली सुबह उठा तो मेरे मन में पहला विचार यही आया कि मैं टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मैं फिर से भारत के लिए खेलना चाहता हूं। शायद यही बात मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रही। मुझमें भूख बनी रही और यही बात मुझे प्रतिदिन अभ्यास करने के लिए प्रेरित करती रही। उन्होंने कहा, ''मेरा लक्ष्य फिर से टेस्ट क्रिकेट खेलना था। हर दिन, हर सुबह मैं यह सोचता था कि मुझे उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए क्या करना चाहिए। उस विश्वास को कभी नहीं खोना और उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए दृढ़ संकल्प होना, ऐसी चीज थी जिसने मेरी मदद की।

हेडन और स्मिथ ने कहा, भारत को भारी पड़ सकती है अनुभवहीनता

लीड्स। अपने जमाने के दिग्गज क्रिकेटर मैथ्यू हेडन और ग्रीम स्मिथ का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के हाल में संन्यास लेने से भारतीय टीम काफी अनुभवहीन हो गई है और उसे इंग्लैंड की तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल पिचों पर संघर्ष करना पड़ेगा। हेडन ने आईसीसी से कहा, ''मुझे लगता है कि भारत को वास्तव में संघर्ष करना पड़ेगा। शुभमन गिल युवा कप्तान हैं, जो पूरी तरह से प्रतिकूल माहौल तथा तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल और उछाल वाली परिस्थितियों में खेल रहे हैं। यह एक वास्तविक चुनौती होगी। भारतीय टीम के लिए यह दौरा कड़ी अग्नि परीक्षा होगा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा, ''जब भी कोई टीम इंग्लैंड के दौरे पर आती है तो उसके लिए यहां की परिस्थितियां पूरी तरह से विपरीत होती हैं। इसलिए मैं इस श्रृंखला में इंग्लैंड को जीत का प्रबल दावेदार मानता हूं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान स्मिथ को लगता है कि इंग्लैंड परिस्थितियों से अच्छी तरह से अवगत है और ऐसे में जसप्रीत बुमराह पर अधिक बोझ पड़ेगा। स्मिथ ने कहा, ''इंग्लैंड अपने घरेलू मैदानों पर वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करता है। वे परिस्थितियों को समझते हैं और उसका सर्वश्रेष्ठ लाभ उठाते हैं। मुझे लगता है कि शुभमन और उनकी टीम के लिए यह एक चुनौती होगी, क्योंकि भारतीय टीम के पास अनुभव की कमी है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि बुमराह गेंदबाजी आक्रमण का बड़ा हिस्सा संभालेंगे। परिस्थितियां इंग्लैंड के अनुकूल हैं और इसलिए मुझे लगता है कि वह भारत से बेहतर प्रदर्शन करेगा।

शिवसुब्रमण्यम रमण ने पीएफआरडीए के अध्यक्ष का पदभार संभाला

नई दिल्ली। शिवसुब्रमण्यम रमण ने शुक्रवार को आधिकारिक रूप से पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष के तौर पर अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। केंद्र सरकार ने उनकी नियुक्ति पांच वर्ष की अवधि या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, के लिए की है। वित्?त मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा (आईएएंडएएस) के 1991 बैच के अधिकारी रमन वित्तीय विनियमन, सार्वजनिक वित्त और प्रौद्योगिकी में दशकों का अनुभव रखते हैं। पीएफआरडीए में शामिल होने से पहले उन्होंने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के कार्यालय में उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी के रूप में कार्य किया है। उन्होंने पहले कई नेतृत्व पदों पर कार्य किया है, जिसमें भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा लिमिटेड (एनईएसएल) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी और झारखंड राज्य के प्रधान महालेखाकार शामिल हैं। इसके अलावा 2006 से 2013 की अवधि के लिए उन्होंने मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) और फिर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड में कार्यकारी निदेशक के रूप में भी कार्य किया।

एडीबी, विश्व बैंक बांग्लादेश को 1.5 अरब डॉलर का कर्ज देंगे

ढाका। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और विश्व बैंक ने बांग्लादेश को अपने बैंकिंग क्षेत्र में सुधार, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने और अन्य परियोजनाओं में मदद के लिए 1.5 अरब डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है। शुक्रवार को मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। समाचार पत्र 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के अनुसार, एडीबी ने 90 करोड़ डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है, जिसमें से 50 करोड़ डॉलर देश के बैंकिंग क्षेत्र में सुधार लाने और उसे मजबूत बनाने के प्रयासों का समर्थन करेंगे, जबकि शेष 40 करोड़ डॉलर जलवायु परिवर्तन की चुनातियों से निपटने और समावेशी विकास पहल को बढ़ावा देंगे। एडीबी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि 50 करोड़ डॉलर के नीति-आधारित ऋण का उद्देश्य बांग्लादेश की बैंकिंग प्रणाली में संचालन और परिसंपत्ति की गुणवत्ता को मजबूत करना है। इसके अलावा, एडीबी ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने, समावेशी विकास कार्यक्रम (सीआरआईडीपी) के दूसरे चरण के लिए 40 करोड़ डॉलर के ऋण को भी मंजूरी दी।

इंग्लैंड में सफल हो सकता है जायसवाल: रहाणे

मुंबई। भारतीय टीम से बाहर चल रहे सीनियर बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे का मानना है कि इंग्लैंड दौरे पर यशस्वी जायसवाल अच्छा प्रदर्शन करेंगे क्योंकि वह सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाने में सक्षम हैं। पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला शुक्रवार से हेडिंग्ले में शुरू होगी। रहाणे ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में कहा, ''व्यक्तिगत रूप से मैं यशस्वी जायसवाल को अच्छा प्रदर्शन करते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि इंग्लैंड में पारी का आगाज करना वास्तव में महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा, ''उसके पास अच्छा कौशल है। वह एक छोर पर विकेट बचाकर रख सकता है और जरूरत पड़ने पर आक्रामक बल्लेबाजी भी कर सकता है। इसलिए मैं इंग्लैंड में जायसवाल का प्रदर्शन देखने के लिए वाकई उत्सुक हूं। अप्रैल में ऐसी खबरें आई थीं कि पिछले रणजी ट्रॉफी सत्र में जम्मू-कश्मीर से हार के बाद मुंबई के खिलाड़ियों जायसवाल और रहाणे के बीच मतभेद पैदा हो गए थे।

लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया की टीम से बाहर स्मिथ भी नहीं खेल पाएंगे पहला टेस्ट

एजेंसी

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टेस्ट टीम से बाहर कर दिया है जबकि स्टीव स्मिथ भी चोटिन होने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले सप्ताह से होने वाली श्रृंखला के शुरूआती टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को कहा कि स्मिथ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले मैच से बाहर रहेंगे क्योंकि पिछले सप्ताहांत लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ़ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फ़ाइनल में उन्हें उंगली में चोट लगी थी। उनके वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ दूसरे टेस्ट के लिए फ़िट होने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि किशोर सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास और विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंगलिस को स्मिथ और मार्नस लाबुशेन की जगह टीम में शामिल किया गया है। बेली ने कहा, ''हमने स्टीव और मार्नस की जगह जोश और सैम को मौका देने का निर्णय लिया है। हम उन्हें मौका देकर उत्साहित हैं। लाबुशेन का 104 टेस्ट पारियों में औसत 46.19 है, जिसमें 11 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। शीर्ष क्रम के इस बल्लेबाज का हाल में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट शतक 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में लगाया था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में उन्हें पारी की शुरुआत करने का मौका मिला, लेकिन वह 17 और 22 रन ही बना पाए। बेली ने कहा, ''अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में मार्नस इस टीम का एक महत्वपूर्ण सदस्य हो सकता है। वह समझता है कि उसका प्रदर्शन उस स्तर का नहीं रहा है जिसकी हम या वह उम्मीद करते हैं। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट मैच बुधवार से खेला जाएगा।

अब खेलों में प्रतिभाओं की तलाश के लिये मोबाइल ऐप

नयी दिल्ली। खेल मंत्रालय जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की तलाश को जन भागीदारी से जोड़ते हुए जल्दी ही एक खास मोबाइल ऐप लांच करेगा जिस पर नागरिक प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के वीडियो डाल सकेंगे और खेलो इंडिया की क्षेत्रीय समितियां उनका आकलन करेगी । पिछले कुछ अर्से में सोशल मीडिया पर असाधारण प्रतिभा के धनी कई अनजान युवा खिलाड़ियों (खासकर क्रिकेट, एथलेटिक्स, तीरंदाजी में) के वीडियो वायरल हुए हैं जिन्हें ध्यान में रखकर यह फैसला लिया गया। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने यहां शुक्रवार को मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा, अब तक प्रतिभाओं की तलाश का जरिया स्कूल, आयुवर्ग स्पर्धायें, खेलो इंडिया, खेल महासंघ, अस्मिता लीग या कीर्ति योजना रहे हैं लेकिन अब एक विशेष मोबाइल ऐप लांच किया जायेगा जिस पर कोई भी नागरिक ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों के प्रदर्शन की वीडियो अपलोड कर सकेंगे। उन्होंने कहा ,'' इसके बाद खेलो इंडिया के तहत क्षेत्रीय प्रतिभा चयन समितियां इनका आकलन करेंगी।

सोना और चांदी की कीमत में मामूली तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने और चांदी की कीमत में मामूली तेजी नजर आ रही है। भाव में तेजी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,01,090 रुपये से लेकर 1,01,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,660 रुपये से लेकर 92,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में आज तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,12,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,01,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,01,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,01,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,01,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,01,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,01,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 92,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एचडीबी फाइनेंशियल के आईपीओ का प्राइस बैंड फिक्स, 25 जून को होगी लॉन्चिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) एचडीबी फाइनेंशियल के आने वाले आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का एलान कर दिया गया है। 25 जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाले कंपनी के 12,500 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 700 रुपये से लेकर 740 रुपये का प्राइस बैंड फिक्स किया गया है। आईपीओ के तहत निवेशक 20 शेयर के लॉट साइज में बोली लगा सकेंगे। ये आईपीओ 27 जून को बंद होगा। कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार एचडीबी फाइनेंशियल का आईपीओ एंकर इन्वेस्टर्स के लिए 24 जून को खुलेगा। आईपीओ के तहत 30 जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। इसके बाद अगले महीने 2 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग होगी। इस आईपीओ के तहत 2,500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 10 रुपये फ़ेस वैल्यू वाले 13,51,35,135 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे जाएंगे। नए शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने टियर-1 बेस कैपिटल को बढ़ाने में करेगी। वही ऑफर फॉर सेल के जरिए आने वाली 10,000 करोड़ रुपये की राशि अपने शेयर बेच रहे कंपनी के प्रमोटर एचडीएफसी बैंक को मिलेगी। एचडीबी फाइनेंशियल के प्राइस बैंड से निवेशकों के बीच हलचल तेज हो गई है। दरअसल, अनलिस्टेड मार्केट (ग्रे मार्केट) में कंपनी के शेयर फिलहाल 1,250 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहे हैं। ऐसे में आईपीओ के लिए फिक्स किया गया प्राइस बैंड अनलिस्टेड मार्केट की तुलना में जबरदस्त डिस्काउंट वाला है।

इंडिगो की हिंडन से 8 अलग-अलग शहरों के लिए 20 जुलाई से सीधी उड़ान

एजेंसी

नई दिल्ली। बजट एयरलाइंस कंपनी इंडिगो ने 20 जुलाई से गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से देश के आठ शहरों अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, इंदौर, कोलकाता, मुंबई, पटना और वाराणसी के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू करने की पुष्टि की है। इंडिगो ने शुक्रवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि हम उत्तर प्रदेश के हिंडन एयरपोर्ट से सीधी उड़ानें शुरू करने की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। इससे हमारे ग्राहकों के लिए हवाई यात्रा को और अधिक सुलभ बनाने की हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत होगी। हम नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभारी हैं। कंपनी ने जारी बयान में लिखा है कि 20 जुलाई से हम हिंडन एयरपोर्ट से भारत के आठ शहरों अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, इंदौर, कोलकाता, मुंबई, पटना और वाराणसी के लिए सीधी उड़ानें संचालित करेंगे। इस लॉन्चिंग के साथ हिंडन हमारा 93वां घरेलू गंतव्य और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में हमारी सेवा करने वाला ये दूसरा हवाई अड्डा बन गया है। इंडिगो ने कहा कि ये कदम यात्रियों के लिए हवाई यात्रा को सरल और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए एयरलाइन के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। इस विस्तार से क्षेत्रीय संपर्क में वृद्धि होने तथा एनसीआर क्षेत्र और उसके आसपास के लोगों के लिए तीव्र यात्रा विकल्प उपलब्ध होने की उम्मीद है।

एयर इंडिया की 8 उड़ानें रद्द, अमृतसर-लंदन समेत तीन रूट पर परिचालन निलंबित

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने शुक्रवार को एक बार फिर 8 फ्लाइट को कैंसिल किया है। एयरलाइंस ने एक साथ 8 अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों को कैंसिल किया है, जिसमें चेन्नई से दुबई, दिल्ली से मेलबर्न, हैदराबाद से मुंबई और अहमदाबाद से दिल्ली की उड़ानें शामिल हैं। विमानन कंपनी ने अपने अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालन में बड़े बदलाव का ऐलान किया है। एयर इंडिया ने कहा कि ये सभी फ्लाइट्स रखरखाव और परिचालन कारणों से रद्द की गई हैं। अहमदाबाद में 12 जून को हुए विमान हादसे के बाद से मुश्किलों का सामना कर रही विमानन कंपनी ने बताया कि 21 जून से 15 जुलाई के बीच वह हर हफ्ते 38 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कटौती करेगी, जबकि एयरलाइन ने तीन अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर सेवाएं अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। 18 अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उड़ानों में यह कटौती शेड्यूल में स्थिरता बहाल करने और यात्रियों को अंतिम समय में होने वाली असुविधा को कम करने के उद्देश्य से की जा रही है। एयलाइंस ने कहा कि डीजीसीए द्वारा आदेशित उड़ान-पूर्व सुरक्षा जांच के कारण उड़ानों में कटौती की गई है। अब तक 33 बोइंग 787 विमानों में से 26 का निरीक्षण पूरा हो चुका है। एयर इंडिया अपने बोइंग 777 विमानों की भी जांच करेगी। विमानन कंपनी की ये विस्तृत घोषणा एक दिन पहले किए गए उस ऐलान के बाद आई है, जिसमें एयर इंडिया ने बड़े यात्री विमानों से संचालित उड़ानों में 15 फीसदी की अस्थायी कमी करने की बात कही थी। एयरलाइंस ने जारी एक बयान में स्पष्ट किया यह कटौती 21 जून से प्रभावी होगी और कम से कम 15 जुलाई 2025 तक जारी रहेगी। विमानन कंपनी ने कहा कि दिल्ली-नैरोबी, अमृतसर-लंदन (गैटविक) और गोवा (मोपा)-लंदन (गैटविक) पर 15 जुलाई तक सेवाएं निलंबित रहेंगी।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

अस्तित्व खो रही पीली नदी का हो रहा जीर्णोद्धार, लगाएं जाएंगे 51 हजार पौधे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। अस्तित्व खो रही पीली नदी का जीर्णोद्धार हो रहा है द्य सरकार की ओर से अस्तित्व खो रही नदियों को बचाने के लिए वन डिस्ट्रिक्ट वन रिवर के तहत अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत क्षेत्र में अस्तित्व से जूझ रही पीली नदी को भी उसके मूल स्वरूप में लाने के लिए शामिल किया गया है। इसकी खोदाई का कार्य शुरू कराने के बाद इसके किनारे किनारे 51 हजार सर्वाधिक आक्सीजन देने वाले पौधे भी लगाए जाएंगे। अभियान के धरातल पर उतरने पर जल संरक्षण के साथ ही पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा। बदलापुर तहसील क्षेत्र के बीचो-बीच गुजरने वाली लगभग 35 किमी लंबी पीली नदी जनपद की पश्चिमी सीमा पर स्थित डेहुड़ा गांव से शुरु होकर क्षेत्र के 40 गांवों से गुजरती हुई चक्शा ब्लाक के दरियावगंज गांव में जाकर आदि गंगा गोमती में समाहित हो जाती है। पीली नदी पुनरुद्धार का कार्य तीन स्थानों पर चल रहा है। जीर्णोद्धार के साथ-साथ नदी के दोनों किनारों पर 51 हजार ऐसे पौधे भी रोपे जाएंगे जो सर्वाधिक आक्सीजन देते हैं। इसका शुभारंभ 21 जून को अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर पीली नदी के किनारे स्थित अटल पार्क बहरा में ऊर्जा व प्रभारी मंत्री एके शर्मा 11 सौ पौधे लगाकर करेंगे, जिसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। जिला अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने पीली नदी के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। इन पौधों का होगा रोपण पर्यावरण के संरक्षण के लिए पीली नदी के किनारे-किनारे 51 हजार पौधे लगाए जाएंगे। इसमे नीम, ढाक, पीपल, बरगद, गुलर पाकड़, बॉस चिलबिल सहित सर्वाधिक आक्सीजन के साथ-साथ पौराणिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण पौधों को शामिल किया गया है। वन मंत्री को लिखा पत्र पौधों की उपलब्धता के लिए विधायक ने वन मंत्री को पत्र भी लिखा है। बदलापुर में पीली नदी जीर्णोद्धार के लिए बैंकहोलोडर से खोदाई कर दोनों किनारे पर पौधरोपण कराया जाएगा। पौधारोपण के लिए दस दिन चलेगा अभियानविधायक बदलापुर रमेश चंद्र मिश्र ने बताया कि पीली नदी के जीर्णोद्धार के साथ-साथ पर्यावरण को भी संरक्षित किया जाएगा। दस दिन अभियान चलाया जाएगा। प्रतिदिन नदी के किनारे पौधारोपण किया जाएगा।

प्राकृतिक रोमांच के बीच लापरवाही का खतरा, सिद्धनाथ की दरी बेहाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। चुनार थाना क्षेत्र अंतर्गत चौकी सक्तेशगढ़ स्थित ऐतिहासिक पर्यटन स्थल सिद्धनाथ की दरी में गुरुवार रात हुई तेज बारिश के बाद जलप्रवाह तेज हो गया। शुक्रवार सुबह से ही इस मनमोहक दृश्य को देखने के लिए न केवल जनपद, बल्कि अन्य जनपदों से भी सैकड़ों की संख्या में सैलानी यहां पहुंचे। हालांकि, जहां एक ओर प्राकृतिक सौंदर्य लोगों को आकर्षित कर रहा है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षा व्यवस्था का पूरी तरह अभाव चिंता का विषय बना हुआ है। तेज बारिश के बाद अचानक पानी का बहाव इतना तेज हो गया कि एक सैलानी बीच में फंस गया। रास्ता न होने की वजह से उसने जान जोखिम में डालकर किसी तरह तेज धार से निकलकर जान बचाई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्थल पर न तो पुलिस की कोई व्यवस्था है और न ही आपातकालीन हालात से निपटने के लिए कोई इंतजाम। इस लापरवाही के चलते कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय ग्रामीण डॉ. आरएन पाल, बीरेन्द्र पाल, राकेश सिंह पटेल आदि ने उच्चाधिकारियों से जल्द से जल्द सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। कहा कि सिद्धनाथ की दरी जैसी प्राकृतिक धरोहरों पर सैलानियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किया जाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि पर्यटन बढ़े और हादसे टलें।

योग को धर्म से न जोड़ें मुसलमान भी करें योग मदरसों में हो नियमित अभ्यास

बरेली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) से पहले बरेली से एक महत्वपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संदेश सामने आया है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने मुसलमान समाज को योग अपनाने की खुलकर वकालत की है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि योग को धार्मिक चश्मे से देखना गलत है, यह एक स्वास्थ्यवर्धक व्यायाम है, जो हर धर्म, जाति और वर्ग के लोगों के लिए फायदेमंद है। मौलाना रजवी ने कहा कि योग को सनातन धर्म से जोड़ना एक भ्रांति है। उन्होंने कहा, ल्लयोग भारतीय संस्कृति और सूफी परंपरा का हिस्सा रहा है। इसे धर्म से जोड़ना ठीक नहीं। यह शरीर, मन और आत्मा को संतुलित रखने का एक तरीका है। मौलाना ने खासतौर पर मुस्लिम महिलाओं को योग की सलाह दी। उन्होंने कहा, आज की महिलाएं दिनभर घरेलू जिम्मेदारियों में व्यस्त रहती हैं। उनके लिए योग करना और भी जरूरी है। रोजाना 20 मिनट योग करने से कई छोटी-मोटी बीमारियां दूर हो जाती हैं। उन्होंने मुसलमानों से अपील की कि सुबह की नमाज के बाद घर पर ही योग करें। इसके लिए पार्क या बड़े योग केंद्र की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि योग असल में 'वर्जिश' है, यानी शरीर का व्यायाम। इससे तन-मन दोनों तरोताजा रहते हैं। मौलाना रजवी ने देशभर के मदरसों में भी योग को अपनाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि हर मदरसे में छात्रों को योग सिखाया जाना चाहिए। पहले शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाए और फिर छात्रों को नियमित अभ्यास कराया जाए। योग को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। योग किसी धर्म का हिस्सा नहीं, यह एक शरीरिक व्यायाम है। मौलाना ने अपने बयान के अंत में कहा, जो लोग योग पर धर्म का टैग लगाते हैं, वे लोगों को गुमराह कर रहे हैं। योग न तो सनातन धर्म का हिस्सा है, न इस्लाम का।

भारत की सनातन परंपरा से जुड़ेगी दुनिया, योग दिवस पर दिखेगी वसुधैव कुटुम्बकम की झलक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व नगर में योगाभ्यास की साप्ताहिक श्रृंखला के अंतर्गत शुक्रवार को फतहा स्थित महारानी अहिल्याबाई होल्कर घाट पर विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी की अगुवाई में आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने प्रतिभाग कर योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास किया। मंत्री दयालु ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई है। आज दुनिया के 180 से अधिक देश 21 जून को योग दिवस मना रहे हैं। योग न केवल शरीर को मन और आत्मा से जोड़ता है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर को भी विश्व पटल पर प्रतिष्ठित करता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत की सनातन विधा को आज विश्व ने अपनाया है, यह हमारी संस्कृति की विजय है। उन्होंने बताया कि 15 जून से शुरू हुए इस पूर्वाभ्यास अभियान के अंतर्गत देशभर में एक लाख से अधिक स्थानों पर और उत्तर प्रदेश में 4075 स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। योग ने वास्तव में गांव को शहर से, शहर को प्रदेश से और भारत को विश्व से जोड़ने'' का कार्य किया है। नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने कहा कि 21 जून को होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर पूरे सप्ताह योगाभ्यास कराया जा रहा है। फतहा घाट पर हुए इस आयोजन में मंत्री दयालु की सहभागिता ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई है। अगर जीवन में निरोग रहना है तो योग को दिनचर्या में शामिल करना होगा। जब करेंगे योग, तभी बनेंगे निरोग। कार्यक्रम में पतंजलि महिला योग समिति की योग साधिका राजलक्ष्मी ने भी योग प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया। आयुष मंत्री व आभा फाउंडेशन द्वारा उन्हें अंगवस्त्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग आयोग के मंत्री सोहन श्रीमाली, सभासद शरद सरोज, ईओ जी लाल, कर अधीक्षक शरदेंदु सिंह, जलकल अभियंता ओमप्रकाश राम, सीएसआई मनोज सेठ, आरआई अनिल जायसवाल, कंप्यूटर प्रभारी राकेश गुप्ता, जेई जटा शंकर पटेल सहित भारी संख्या में आमजन की उपस्थिति रही।

सहारनपुर में 11 जुलाई से शुरू हो रही कांवड़ यात्रा की तैयारियां शुरू

सहारनपुर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिला प्रशासन ने पवित्र श्रावण मास में कांवड़ यात्रा की तैयारियां शुरु कर दी है। इस साल कांवड़ यात्रा 11 जुलाई से शुरु हो रही है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आज बताया कि यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन के जरिए कांवड़ियों की यात्रा पर नजर रखी जाएगी। एसएसपी रोहित सजवान ने यात्रा मार्ग में आने वाले सभी थाना प्रभारियों को तैयारियां करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कांवड़ मार्ग पर ज्यादा से ज्यादा सीसीटीवी लगाए जाने के निर्देश भी दिए। गौरतलब है कि 23 जुलाई को शिव रात्रि का पर्व है। सहारनपुर से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली आदि दूरस्थ क्षेत्रों के शिवभक्त कांवड़ लेकर हरिद्वार से जल लेने जाते और आते हैं। सहारनपुर नगर निगम जिनके क्षेत्र में 42 कांवड़ शिविर लगाए जाएंगे उसके लिए भी नगर निगम ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। निगम के अधिशासी अभियंता जल और लाईट वीपी सिंह ने बताया कि निगम क्षेत्र में 38 बोरिंग कराए जा रहे हैं।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ईमेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

आईआईटी बीएचयू की उपलब्धि, 'साइटेशन प्रति फैकल्टी' में वैश्विक स्तर पर 47वां स्थान मिला

■ रैंकिंग संस्थान के अनुसंधान की गुणवत्ता और अकादमिक प्रतिबद्धता का प्रमाण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान काशी हिंदू विश्वविद्यालय को फिर बड़ी उपलब्धि मिली है। संस्थान को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2026 में वैश्विक स्तर पर 566वां स्थान मिला है। इस वर्ष रैंकिंग में शामिल 54 भारतीय संस्थानों में से आईआईटी (बीएचयू) ने राष्ट्रीय स्तर पर 14वां स्थान प्राप्त किया है। संस्थान की सबसे बड़ी उपलब्धि 'साइटेशन प्रति फैकल्टी' पैरामीटर में रही, जिसमें संस्थान ने वैश्विक स्तर पर 47वां स्थान प्राप्त किया है, जो पिछले वर्ष की 48वीं रैंक से एक स्थान ऊपर है। इस पैरामीटर में भारत में आईआईटी (बीएचयू) तीसरे स्थान पर रहा, जो इसकी शोध गुणवत्ता और वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है। वर्ष 2019 से 2023 के बीच संस्थान ने 12,259 स्कोपस-इंडेक्स्ड शोध पत्र प्रकाशित किए, जो इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी, प्राकृतिक विज्ञान, जीवन विज्ञान एवं स्वास्थ्य, और कला एवं मानविकी जैसे क्षेत्रों में फैले हुए हैं। इन शोध पत्रों को 2024 तक कुल 1,41,332 उद्धरण प्राप्त हुए, जो संस्थान की अकादमिक प्रतिष्ठा का प्रमाण हैं। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2026 में संस्थानों का मूल्यांकन 9 प्रमुख मानकों पर किया गया है, जिनमें अकादमिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता प्रतिष्ठा, फैकल्टी-छात्र अनुपात, अंतरराष्ट्रीय संकाय और छात्र, अनुसंधान नेटवर्क, साइटेशन प्रति फैकल्टी, सततता और प्लेसमेंट परिणाम शामिल हैं। आईआईटी (बीएचयू) ने नियोक्ता प्रतिष्ठा और अकादमिक स्थिति जैसे मानकों में भी प्रगति दर्ज की है। संस्थान के निदेशक प्रोफ़ेसर अमित पात्रा ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह रैंकिंग हमारे अनुसंधान की गुणवत्ता और अकादमिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम उद्योगों और वैश्विक संस्थानों के साथ सहयोग को लगातार बढ़ावा दे रहे हैं। ताकि अनुसंधान और नवाचार को एक नई दिशा दी जा सके। निदेशक प्रो. पात्रा ने इस उपलब्धि के लिए संस्थान के सभी संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं, छात्रों और कर्मचारियों को बधाई दी और विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से भविष्य में और भी ऊँचे मुकाम हासिल करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस: सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षान्त मंडप में होगा योगाभ्यास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षान्त मंडप में मुख्य कार्यक्रम और योगाभ्यास होगा। दिवस पर समूह योग सत्र, व्याख्यानमालाएँ, जागरूकता रैली तथा पर्यावरणीय संकल्प कार्यक्रम भी आयोजित है। इसमें सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिवार शामिल होगा। शुरूआत सुबह 06 बजे से होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा के अनुसार इस वर्ष की थीम ल्लएक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग पर एक साथ सूर्य नमस्कार का आयोजन होगा। कुलपति ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की प्राचीनतम सांस्कृतिक धरोहर योग को वैश्विक मंच पर एक समग्र कल्याणकारी जीवन शैली के रूप में प्रतिष्ठित होते देखने का अवसर है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, यह आत्मानुशासन, संतुलन और आंतरिक जागरूकता का अद्भुत साधन है। शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली यह जीवन पद्धति आज सम्पूर्ण मानवता के लिए स्वास्थ्य, शांति और सौहार्द का मार्ग बन चुकी है। प्रो. शर्मा ने कहा कि ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त यह अमूल्य ज्ञान वर्तमान समय में न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व में जीवन शैली से जुड़ी चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत कर रहा है। योग हमें शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य की ओर प्रेरित करता है। वर्तमान युग में जब मानव समाज तनाव, अवसाद, जीवनशैली जनित रोगों और पर्यावरणीय असंतुलन से जूझ रहा है, तब योग हमें शारीरिक, मानसिक और'' आत्मिक स्वास्थ्य की ओर प्रेरित करता है।

यूपी पुलिस की सोशल मीडिया पॉलिसी का कड़ाई से पालन किया जाए: अनुराग आर्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने शुक्रवार सुबह रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक परेड की सलामी ली। इस दौरान उन्होंने परेड में शामिल पुलिसकर्मियों की वर्दी, अनुशासन और प्रस्तुति की बारीकी से समीक्षा की। एसएसपी ने टर्नआउट को बेहतर बनाए रखने और अनुशासन में कोई ढील न बरतने के निर्देश दिए। परेड के बाद एसएसपी ने पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण करते हुए आदेश कक्ष (ओआर), क्वार्टर गार्ड, आरटीसी/जेटीसी छात्रावास, पुलिस भोजनालय और कैन्टीन का दौरा किया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, सफाई और उपलब्ध सुविधाओं की जांच की और जिम्मेदार अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसएसपी अनुराग आर्य ने जेटीसी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे नव नियुक्त रिक्रूट्स से भी मुलाकात की। उन्होंने सभी को उत्तर प्रदेश पुलिस की सोशल मीडिया पॉलिसी का कड़ाई से पालन करने की हिदायत दी। एसएसपी ने कहा कि सोशल मीडिया पर कोई भी पोस्ट करने से पहले उसकी विभागीय गोपनीयता और दिशा-निर्देशों का पूरा ध्यान रखें। एसएसपी ने रिक्रूट्स को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और समयबद्धता से प्रशिक्षण पूरा करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा में ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करना ही सच्ची देशभक्ति है। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम/आरटीसी, प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन समेत कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

नमोघाट पर सपा एमएलसी ने सीआईएसएफ जवानों संग किया योगाभ्यास

■ 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' थीम पर आम जन को योग से जुड़ने का संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में नमोघाट पर चल रहे योग सप्ताह के छठवें दिन शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने सीआईएसएफ जवानों के साथ सामूहिक योगाभ्यास कर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर गोवर्धन पूजा समिति एवं नमो गोवर्धन मॉर्निंग टीम के सदस्यों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में आयुष मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार योगाचार्य अभय स्वाभिमानी एवं रक्षा कौर ने उपस्थित जनसमूह को विभिन्न योगासन कराए और योग को जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने का आग्रह किया। एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने कहा, ''योग अब वैश्विक पहचान बन चुका है। यह न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है। सभी लोगों को प्रतिदिन योग करना चाहिए।'' कार्यक्रम की शुरुआत से पहले गोवर्धन पूजा समिति के अध्यक्ष विनोद यादव गप्पू, दिनेश यादव गप्पू, महामंत्री पारस यादव पप्पू एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संजय मिश्रा ने विशेष अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा के साथ सीआईएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट कृष्ण कुमार राय, इंस्पेक्टर पीयूष कुमार, महेंद्र कुमार यादव और विनोद गोस्वामी को केसरिया अंगवस्त्र पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने योग के महत्व को स्वीकार करते हुए इसे जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। गंगा की अविरलता-निर्मलता और घाट किनारे स्वच्छता के संकल्प को साकार करने के लिए नमामि गंगे की टीम ने विश्व योग दिवस के एक दिन पूर्व शुक्रवार को दशाश्वमेध घाट के सामने जलयोग किया। गंगा में जलयोग के दौरान प्राणायाम, वृक्षासन, ताड़ासन,अनुलोम-विलोम, गरुड़ासन, सूर्य नमस्कार जैसे जल में किए जाने वाले तमाम योग क्रियाओं का प्रदर्शन कर सदस्यों ने जल संरक्षण एवं विश्वकल्याण की कामना की। गंगा की लहरों पर शिव स्तुति, गायत्री मंत्र , महामृत्युंजय मंत्र, द्वादश ज्योतिर्लिंग श्लोक एवं गंगाष्टकम का पाठ करके योग साधना की गई । नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने बताया कि गंगा और योग दोनों आत्मा की शुद्धता, शांति और मुक्ति के प्रतीक हैं। गंगा योग का भौगोलिक और आध्यात्मिक आधार रही है और योग गंगा जैसी शुद्धता की ओर यात्रा का साधन है। नदियां मानव सभ्यता की जननी रही हैं। प्राचीन काल से ही नदियों के किनारे सभ्यताओं का विकास हुआ है। वर्तमान समय में नदियों का संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने बताया कि जल योग का अद्वितीय लाभ है। जल में वृक्षासन करने से वजन व तनाव घटता है।